बुधवार
19 अक्टूबर 2022

पृष्ठ 4

क्या आपके घर पर भी होता हैं बच्चों में झगड़ा ?

पृष्ठ 5

90 के दशक में लेखक सेट पर स्क्रिप्ट लिखते थेः माधुरी

● देहरादून
● वर्ष 30
● अंक 250
● पृष्ठ 8
● मूल्य ₹ 1.00

आज का विचार

बिना कारण कलह कर बैठना मूर्ख का लक्षण हैं। इसलिए बुद्धिमत्ता इसी में है कि अपनी हानि सह लें लेकिन विवाद न करें। – हितोपदेश

दूनवैलीमेल

सांध्य दैनिक

email: doonvalley_news@yahoo.com Website: dunvalleymail.com

आर.एन.आई.- 59626/94

डीएवीपी से मान्यता प्राप्त

राज्य में राजस्व पुलिस का अस्तित्व खत्म

विशेष संवाददाता

देहरादून। राज्य में डेढ़ दशक से कानून व्यवस्था को संभालने वाली राजस्व पुलिस का अस्तित्व समाप्त हो गया है। राज्य सरकार द्वारा सुप्रीम कोर्ट में हलफनामा दाखिल कर 2018 के फैसले को अमल करने को कहा है। राज्य की राजस्व पुलिस से अब सभी आपराधिक मामले रेगुलर पुलिस को शिफ्ट किए जाएंगे और चरणबद्ध तरीके से राजस्व पुलिस क्षेत्र में रेगुलर पुलिस (सिविल पुलिस) की व्यवस्था की जाएगी।

उल्लेखनीय है कि अभी गंगा भोगपुर स्थित वनंतरा रिजार्ट में कार्यरत अंकिता भंडारी हत्याकांड में राजस्व पुलिस की भूमिका पर उठे सवालों के बाद यह मुद्दा चर्चाओं के केंद्र में आ गया था। उल्लेखनीय है कि 2018 में हाई कोर्ट नैनीताल द्वारा भी राज्य सरकार को निर्देश दिए गए थे कि वह राजस्व पुलिस व्यवस्था को समाप्त कर उसकी जगह रेगुलर पुलिस व्यवस्था करें। लेकिन इस आदेश पर अमल नहीं किया गया था जिस पर

❑सरकार ने दिया सुप्रीम कोर्ट में हलफनामा
❑सभी गंभीर आपराधिक केस रेगुलर पुलिस को शिफ्ट

अब जवाबदेही होने पर सरकार द्वारा इस आदेश पर अमल की बात कही गई है।

राज्य सरकार द्वारा अब हाईकोर्ट में हलफनामा देकर साफ कर दिया गया है कि वह 2018 के हाईकोर्ट के आदेश पर अमल करेगी। इस विषय में यह भी कहा गया है कि राजस्व पुलिस अब सभी गंभीर आपराधिक मामलों को सिविल पुलिस को चरणबद्ध तरीके से सौंपेगी। वहीं राजस्व पुलिस क्षेत्र में चरणबद्ध तरीके से सिविल पुलिस का विस्तारीकरण किया जाएगा। अंकिता मर्डर केस को भी सुप्रीम कोर्ट द्वारा राजस्व पुलिस से बंद करा दिया गया है। इस अति गंभीर मामले को भी सिविल पुलिस ही देखेगी यहां यह भी उल्लेखनीय है कि अभी हाल ही में कैबिनेट की बैठक में सरकार ने राज्य में 4 नए थाने व 20 चौकियां खोलने का निर्णय लिया गया था।

कैबिनेट की बैठक के बाद शासन स्तर पर राजस्व पुलिस के अस्तित्व को खत्म करने और उनकी जगह सिविल पुलिस व्यवस्था को बहाल करने का खाका तैयार कर लिया गया है। धामी सरकार के कार्यकाल में पुलिस व्यवस्था में किए जाने वाला यह सबसे बड़ा बदलाव होगा जिसकी शुरुआत हो चुकी है और अब सुप्रीम कोर्ट में दिए गए हलफनामे के बाद यह तय हो गया है कि राज्य में अब राजस्व पुलिस का अस्तित्व खत्म माना जा सकता है।

खड़गे बने कांग्रेस के खेवनहार

विशेष संवाददाता

नई दिल्ली। कांग्रेस की कमान अब मल्लिकार्जुन खड़गे संभालेंगे। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष पद के लिए हुए चुनाव का परिणाम आज मतगणना के बाद घोषित किया जा चुका है। मल्लिकार्जुन खड़गे को इस चुनाव में 7897 वोट मिले जबकि उनके प्रतिद्वंदी शशि थरूर को मात्र 1078 वोट ही मिल सके। खड़गे ने इस चुनाव में 6819 वोटों से जीत दर्ज की है।

24 साल बाद हुए इस चुनाव के बाद अब कांग्रेस को गांधी परिवार से इतर राष्ट्रीय अध्यक्ष मिला है। इससे पूर्व सीताराम केसरी गांधी परिवार से इतर अध्यक्ष रहे थे। यहां यह उल्लेखनीय है कि गत लोकसभा चुनाव में मिली हार के बाद से ही गांधी परिवार की घेराबंदी कांग्रेस नेताओं द्वारा की जा रही है वहीं भाजपा द्वारा भी कांग्रेस को एक परिवार की पार्टी बताकर तंज कसा जाता रहा है। राहुल गांधी के द्वारा अध्यक्ष पद संभालने से मना कर दिए जाने के बाद लंबे समय तक मान मनोव्वल चलता रहा लेकिन राहुल गांधी ने अपनी जिद नहीं छोड़ी। कांग्रेस अध्यक्ष का कार्य फिलहाल सोनिया गांधी कार्यकारी अध्यक्ष

❑मलिकार्जुन खड़गे को मिले 7897 मत
❑शशि थरूर को मात्र 1078 वोट ही मिले

के रूप में देख रही थी।

कई विवादों और उतार-चढ़ाव के बीच हुए अध्यक्ष पद के इस चुनाव में खड़गे की जीत को पहले ही सुनिश्चित माना जा रहा था क्योंकि खड़गे को गांधी परिवार का समर्थन प्राप्त था वही शशि थरूर अपनी जिद के कारण चुनाव मैदान में अड़े रहे थे। 137 साल पुरानी कांग्रेस वर्तमान में एक संक्रमण काल से गुजर रही है अब कांग्रेस को हताशा पूर्ण माहौल से बाहर लाने की जिम्मेवारी खड़गे के कंधों पर होगी। खड़गे की जीत पर कांग्रेस में जश्न का माहौल है उत्तराखंड में राजीव भवन में कांग्रेसी

◀◀ शेष पृष्ठ 7 पर

शोपियां में मजदूरों की हत्या करने वाला आतंकी इमरान गनी मारा गया

जम्मू। कश्मीर के शोपियां में यूपी के 2 मजदूरों पर लश्कर-ए-तैयबा के कमांडर दानिश और आबिद के इशारे पर ग्रेनेड फेंका गया था। इस मामले में

गिरफ्तार हाइब्रिड आतंकवादी हरमन निवासी इमरान बशीर गनी के खुलासे के आधार पर सुरक्षा बल लगातार सर्चिंग कर रहे थे। जब पुलिस एवं सुरक्षा बल शोपियां के नौगाम में सर्च ऑपरेशन चला रहे थे, तभी आतंकवादियों से उनकी मुठभेड़ हो गई। इस दौरान गनी ने भागने की कोशिश की। पुलिस-आर्तकियों के बीच हुई मुठभेड़ में आतंकी इमरान मारा गया। जम्मू-कश्मीर पुलिस ने आतंकी इमरान गनी की मौत की पुष्टि की है। पुलिस ने बताया, सुरक्षा बल की टीम आतंकी इमरान को लेकर नौगाम पहुंचे थे जहां उनकी आतंकियों के साथ मुठभेड़ हुई। इसी दौरान आर्तकियों की गोली से मजदूरों पर ग्रेनेड फेंकने वाला आतंकी इमरान की मौत हो गई।

नया एयरबेस देश की सुरक्षा के लिए एक प्रभावी केंद्र के रूप में उभरेगाः पीएम मोदी

अहमदाबाद। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को गांधीनगर में डिफेंस एक्सपो 2022 का उद्घाटन किया। इसके साथ ही दीसा में एक नए एयरबेस की आध ारशिला रखी। इस दौरान उन्होंने कहा कि नया एयरबेस देश की सुरक्षा के लिए एक प्रभावी केंद्र के रूप में उभरेगा। दीसा के लोगों को संबोधित करते हुए पीएम ने कहा कि दीसा अंतरराष्ट्रीय सीमा से केवल 130 किमी दूर है। अगर हमारी सेना, खासकर हमारी वायु सेना दीसा में रहती है, तो हम पश्चिमी तरफ से आने वाले किसी भी खतरे का बेहतर जवाब दे पाएंगे।

पीएम मोदी ने कहा कि मेक इन इंडिया आज रक्षा क्षेत्र की सक्सेस स्टोरी

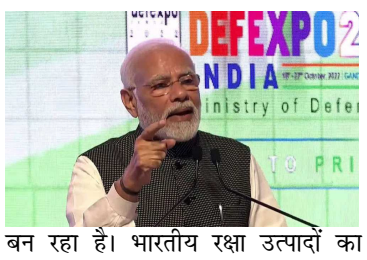

बन रहा है। भारतीय रक्षा उत्पादों का निर्यात पिछले आठ वर्षों में आठ गुना बढ़ा है। पीएम ने रक्षा निर्यात को 40 हजार करोड़ के लक्ष्य तक पहुंचाने की बात कही। उन्होंने कहा कि 2021-2022 में भारत का डिफेंस एक्सपोर्ट करीब 13,000 करोड़ रुपए हो चुका है और आने वाले समय में हमने इसे 40,000 करोड़ रुपए तक पहुंचाने का लक्ष्य रखा है।

पीएम ने एक्सपो उद्घाटन सत्र में बोलते हुए कहा कि अंतरिक्ष में भविष्य की संभावनाओं को देखते हुए भारत को अपनी इस तैयारी को और बढ़ाना होगा। हमारी डिफेंस फोर्सेस को नए अभिनव उपाय खोजने होंगे। अंतरिक्ष में भारत की शक्ति सीमित न रहे और इसका लाभ भी केवल भारत के लोगों तक ही सीमित न हो, ये हमारा मिशन भी है और विजन भी है।

उन्होंने आगे कहा, सरकार में आने के बाद हमने डीसा में ऑपरेशनल बेस बनाने का फैसला लिया और हमारी सेनाओं की ये अपेक्षा आज पूरी हो रही है।ये क्षेत्र अब देश की सुरक्षा का एक प्रभावी केंद्र बनेगा

दून वैली मेल

संपादकीय

हेली सेवाओं पर सवाल

बीते कल केदारघाटी में हुई हेली दुर्घटना में पायलट सहित सात लोगों की मौत हो गई। इस दुर्घटना का कारण भले ही घाटी का खराब मौसम बताया जा रहा हो, लेकिन इसका कारण सिर्फ खराब मौसम नहीं है खराब व्यवस्थाएं भी इस दुर्घटना का एक अहम कारण है। केदारनाथ की जो हेली संचालन की व्यवस्था है उसमें अगर खामियां नहीं रही होती तो इतने खराब मौसम में हेली उड़ान की इजाजत नहीं दी गई होती। उड़ान भरनी है या नहीं इसे देखने वाला कोई नहीं है। यहां सब कुछ जो भी होता है वह हेली कंपनियां ही करती है। केदारनाथ में वर्तमान में 9 हेली कंपनियों द्वारा सेवाएं दी जा रही है। जिनके बीच अधिक से अधिक कमाई करने के लिए आपाधापी मची रहती है। जहां तक खराब मौसम की बात है तो वह यहां हमेशा ही का बना रहता है और 10-15 की उड़ान के दौरान कई बार मौसम को बदलते हुए भी देखा जाता है। अक्सर मौसम खराब होने की बात को इसलिए भी नजरअंदाज कर दिया जाता है कि यहां न तो यह निर्धारित होता है कि जिस लाट व टाइम का टिकट उन्हे दिया गया है उसी में उन्हें जगह मिलेगी और न यह तय होता है कि उनकी यात्रा का तय समय क्या होगा? कई बार समय के बदलाव के कारण उन यात्रियों को भी अपनी यात्रा कार्यक्रम में बदलाव करना पड़ता है जो दिन के दिन दर्शन कर वापस लौटना चाहते हैं। अनचाहे ही सही उन्हें धाम में रात बितानी पड़ती है। वही धाम में वीआईपी दर्शन के जरिए यात्री समय से पहले दर्शन कर जल्द वापसी के प्रयास करते हैं और अधिक किराया देकर सारे सिस्टम को बिगाड़ देते हैं। यहां सभी को अधिक से अधिक कमाई करने की चिंता तो होती है लेकिन यात्रियों की जान की परवाह किसी को भी नहीं होती है। हर उड़ान का समय और फेरे निर्धारित है इसलिए भी खराब मौसम में भी उड़ान का दबाव दूसरी कंपनियों द्वारा डाला जाता है। यह उड़ान व्यवस्था नहीं इसे डग्गामारी ही कहा जा सकता है। कल जिस हेलीकॉप्टर की दुर्घटना हुई उसके पायलट ने भी खराब मौसम के कारण उड़ान भरने से मना किया था जिस पर उड़ान भरने का दबाव डाले जाने की बात भी सामने आई है। खैर दुर्घटना क्यों हुई इसका पता तो जांच के बाद ही चल सकेगा लेकिन इन हेली कंपनियों द्वारा खटारा हेलीकॉप्टरों का इस्तेमाल किया जाना और नियम संयत हेली सेवा न होने के सच को नकारा नहीं जा सकता है। यह बात कितनी अजीब है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से लेकर तमाम वीवीआइपी केदारनाथ आते जाते रहते हैं लेकिन केदार घाटी में कोई एयर ट्रेफिक कंट्रोल टावर तक नहीं है। जब भी कोई बड़ा हादसा हो जाता है तो व्यवस्थाओं को लेकर तो एक दो दिन चर्चाएं होती है फिर सब कुछ वैसा ही चलता रहता है जैसे चल रहा है।

अज्ञात वाहन की चपेट में आकर एक की मौत

संवाददाता

देहरादून। अज्ञात वाहन की चपेट में आकर वृद्ध की मौत हो गयी। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस ने मृतक के पुत्र की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार दया नगर गुजराडा निवासी शिवम ने कैण्ट कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसके पिता मुरारीलाल दुर्गा मन्दिर से गढी कैण्ट की तरफ पैदल जा रहे थे उसकी दौरान अज्ञात वाहन ने उनको अपनी चपेट में ले लिया जिससे वह गम्भीर रूप से घायल हो गये। आसपास के लोगों ने उनको अस्पताल में भर्ती कराया जहां पर उपचार के दौरान उनकी मौत हो गयी। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

महे शुल्काय वरुणस्य नु त्विष ओजो मिमाते ध्रुवमस्य यत्स्वम्।
अजामिमन्यः श्नथयन्तमातिरद्वभ्रेभिरन्यः प्र वृणोति भूयसः॥
(ऋग्वेद ७-८२-६)

शासक और सेनापति दोनों को ही राष्ट्र की उन्नति और सुरक्षा के लिए पराक्रम करना चाहिए। सेनापति सीमित साधनों के रहते हुए भी बाहरी शत्रु को पराजित करें। शासक स्थिर संपत्ति में वृद्धि करें और आंतरिक शत्रुओं को नष्ट करके उनकी संपत्ति का उपयोग राष्ट्र के हित में करें।

Both the ruler and the commander should have the courage for the progress and security of the nation. Despite having limited resources, the commander should defeat the external enemy. The ruler should increase the permanent wealth of the nation, destroy its internal enemies, and use their wealth in the interest of the nation. (Rig Veda 7-82-6)

कलियुगरूपी विखण्डित विचारधारा

ललित शर्मा

हिन्दू वैदिक सनातन धर्म में काल गणना के अन्तर्गत चार युगों की अवधारणा है। सतयुग, त्रेतायुग, द्वापरयुग, तथा कलियुग। कलियुग के बारे में कहा गया है कि पाप अपने चरम पर होगा और इस काल को बुराई के प्रतीक के समानार्थी रूप में इंगित किया। किन्तु वर्तमान परिप्रेक्ष में देखा जाये तो कलियुग एक ऐसी विखण्डित विचाधारा है जिसके जिसके द्वारा किसी व्यक्ति या समाज द्वारा व्यक्ति या व्यक्ति-समूह के अनैतिक एवं अवैध कृत्यों का समर्थन किया जाता है। जिसके पीछे का कारण अपने स्वार्थों की परिपूर्ति करना है। यदि अपराधी मेरी जाति, धर्म, या व्यवसाय से सम्बधित है तो वह गलत, अनैतिक, बेईमान, भ्रष्टाचारी अपराधी नहीं हो सकता है। वर्तमान में जब किसी घटना पर लोगों की राय ली जाती है तो या तो पूर्णरूप से पक्ष या पूर्णरूप से विपक्ष में लोगों की राय रहती है। घटना का निष्पक्ष मूल्यांकन करने वाले लोग महासागर में एक बूंद के समान होते हैं। 2011 की जनगणना के अनुसार भारत की शिक्षित दर 74 प्रतिशत है।

भूमण्डलीकरण के दौर में इंसान चन्द्रमा पर पहुँच गया रॉबोटिक, आर्टिफिशियल इन्टैलीजेन्सी आदि अनेक नवीन तकनीकियों का विकास कर लिया किन्तु सोच के स्तर पर आदिम से आदिम समाज में जी रहा है। हम प्राचीन पौराणिक कथाओं पर दृष्टिपात करते हैं रामायण

में लंकापति रावण के गलत कार्यों के विरोध में बोलने का साहस परिवार को कोई सदस्य नहीं दिखा पाया किन्तु उसके छोटे भाई विभीषण ने अपने भाई रावण के अनैतिक कृत्यों का साथ नहीं दिया।

मध्यकालीन इतिहास में कश्मीर के शासक सिकन्दरशाह धर्मान्ध शासक था। उसने गैर मुसलमानों पर अनेक अत्याचार किये उसने कहा हिन्दू मुसलमान बन जाय और इस्लाम स्वीकार कर लें जो स्वीकार नहीं करे वो कश्मीर से निकल जाये। उसने जजिया कर हिन्दुओं पर लागू किया तथा अनेक मन्दिर तोड़े। किन्तु इसके पुत्र जैनुल आबिदीन द्वारा अपने पिता की कट्टर धर्मान्ध नीतियों के बिल्कुल प्रतिकूल उदार, जनकल्याणकारी नीतियों का अनुसरण किया। उसने अपने पिता द्वारा विनिष्ट किये गये हिन्दू मन्दिरों का पुनर्निमाण कराया तथा उसने जजिया कर हटाया। जिन ब्राह्मणों को कश्मीर से निकल जाने के लिये बाध्य किया, उन्हें स्वदेश आने के लिये प्रेरित किया। मां भारती के वीर सपूत महान क्रान्तिकारी इंजीनियर मदनलाल ढींगरा जिन्होंने 1909 में ब्रिटिश सचिव के राजनीतिक सलाहकार विलियम कर्जन वाइली की इग्लैण्ड में हत्या कर दी।

मदनलाल ढीगरा ने अपने पिता सिविल सर्विस थे वे ब्रिटिश विश्वासपात्र थे किन्तु इन्होंने अपने पिता की विचारधारा का कभी समर्थन नहीं किया। क्या वर्तमान में इन महान व्यक्तित्वों के आदर्शों का चरितार्थ नहीं किया जा सकता वर्तमान में भ्रष्टाचार से सभी नफरत करते हैं। किन्तु भ्रष्टाचार से प्राप्त अवैध धन से आर्थिक रूप धनाड्य व्यक्ति को समाज में प्रतिष्ठत व्यक्ति के तौर पर सम्मान मिलता है।

आधुनिक युग में समाचार मीडिया, प्रैस, पत्रकारिता को लोकतंत्र में चौथा स्तम्भ कहा जाता है। किन्तु वर्तमान में मीडिया दो प्रकार की भूमिका निभा नहीं है एक समूह पूर्णरूप से सरकार के पक्ष में दूसरा समूह पूर्णरूप से सरकार के विपक्ष में निष्पक्ष मीडिया का अभाव है। हमें इस दीमकरूपी कलियुगी विचारधारा जोकि किसी समाज के सहअस्तित्व संचालन के लिए अफीम के समान है। इस विचारधारा का जड़ से उन्मूलन करना होगा नहीं तो हम प्रधानमंत्री नरेंन्द्र मोदी के न्यू इंडिया के संकल्प को कैसे साकार रूप दे पायेंगे।

मोर्चा ने किया भाजपा उत्तराखण्ड प्रभारी को शाल ओढ़ाकर सम्मानित

नगर संवाददाता

देहरादून। पवित्र ग्रंथ रामायण के रचयिता आदि कवि महर्षि वाल्मीकि जी के प्रकट उत्सव के क्रम में भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा ने भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री, पूर्व सांसद एवं उत्तराखंड भाजपा के प्रभारी दुष्यंत कुमार गौतम को प्रतीक चिन्ह एवं शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया एवं बधाई प्रेषित की।

मोर्चा के उत्तराखंड प्रदेश अध्यक्ष समीर आर्य के नेतृत्व में महानगर देहरादून के पूर्व अध्यक्ष राकेश कुमार, मोर्चा के महानगर उपाध्यक्ष मदन बाल्मीकि, मंडल उपाध्यक्ष राजीव राजौरी सहित कई कार्यकर्ता पार्टी के प्रदेश कार्यालय पहुँचे। वहाँ उन्होने दुष्यंत कुमार गौतम को महर्षि बाल्मीकि प्रकट उत्सव की बधाई दी। साथ ही प्रतीक चिन्ह भेंट कर एवम् शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया गया। इस दौरान मोर्चा के महानगर के पदाधिकारियों ने मोर्चा के नव नियुक्त प्रदेश अध्यक्ष समीर आर्य को पुष्प गुछ देकर स्वागत किया एवं महर्षि वाल्मीकि प्रकट उत्सव की बधाई दी।

विधानसभा अध्यक्ष ने 21 मेधावी छात्रों को किया सम्मानित

कोटद्वार (सं)। विधानसभा अध्यक्ष ऋतु खंडूडी भूषण ने 21 मेधावी छात्रों को सम्मानित कर प्रशस्ति पत्र दिये। आज यहां रितेश शर्मा सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज, जानकीनगर में दिवंगत रितेश शर्मा की जयंती पर 21 मेधावी छात्र-छात्राओं और 11 खिलाड़ियों को सम्मानित किया गया। समारोह का उद्घाटन मुख्य अतिथि विधानसभा अध्यक्ष ऋतु खंडूड़ी भूषण ने किया।

स्कूल में आयोजित कार्यक्रम के दौरान विधानसभा अध्यक्ष ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ कियाद्य इस दौरान उन्होंने दिवंगत रितेश शर्मा को अपनी श्रद्धांजलि भी अर्पित की। इस मौके पर स्कूल के छात्र-छात्राओं द्वारा रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गएद्य विधानसभा अध्यक्ष ने मेधावी छात्रों एवं खिलाड़ियों को प्रशस्ति पत्र देकर

सम्मानित किया।

विधानसभा अध्यक्ष ने बच्चों को सम्मानित करते हुए उन्हें लगनशीलता और परिश्रम के साथ शिक्षा हासिल करने के लिए प्रेरित किया। वहीं, उन्होंने विद्यार्थियों के जीवन में शिक्षकों के महत्व पर प्रकाश डालते हुए मेहनत, ईमानदारी व लगन से शिक्षा ग्रहण कर उच्च स्थान बनाने के लिए प्रेरित किया। साथ ही छात्र-छात्राओं को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर संगठन मंत्री भुवन चंद्र, विशिष्ट अतिथि भगवंत ग्लोबल यूनिवर्सिटी के डीन डॉ. प्रताप सिंह राणा, केमिस्ट एसोसिएशन के अध्यक्ष विवेक अग्रवाल, राधेश्याम शर्मा, मीनाक्षी शर्मा, विद्यालय के प्रधानाचार्य लोकेंद्र अथवाल, आरएसएस के जिला संघ चालक विष्णु अग्रवाल और विद्यालय के प्रबंधक इस अवसर विद्या भारती उत्तराखंड के राजेंद्र जखमोला मोजूद रहे।

आतंकियों, अपराधियों और तस्करों के खिलाफ एनआईए ने की कई राज्यों में एक साथ छापेमारी

नई दिल्ली। नेशनल इन्वेस्टिगेशन एजेंसी का आर्तकियों, अपराधियों और तस्करों के खिलाफ एक्शन जारी है। एनआईए ने पंजाब, हरियाणा, राजस्थान व दिल्ली-एनसीआर समेत कई राज्यों में एक साथ छापेमारी शुरू की। छापेमारी भारत और विदेशों में स्थित आतंकवादियों, गैंगस्टरों और ड्रग तस्करों के नेटवर्क को तोड़ने के लिए की जा रही है। इससे पहले 14 अक्तूबर को भी एनआईए ने जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिले समेत कई जगहों पर छापे मारे थे। ये कार्रवाई ड्रोन डिलिवरी केस को लेकर की गई थी। आपको बता दें कि राष्ट्रीय जांच एजेंसी ने भारत और विदेशों में स्थित आतंकवादियों, गैंगस्टरों और मादक पदार्थों के तस्करों के बीच उभरती नेक्सेस को खत्म करने के लिए ये कार्रवाई की है।

झज्जर में एनआईए की टीम स्थानीय पुलिस के साथ सुबह 4:00 बजे गैंगस्टर नरेश सेठी के आवास पर पहुंची। सेठी की अवैध सम्पति और बैंक डिटेल को खंगाला जा रहा है। घरवालों से भी पूछताछ की । तिहाड़ जेल में बंद गैंगस्टर सेठी हत्या, फिरौती समेत अन्य कई संगीन मामलों में शामिल रहा है। 12 सितंबर को भी एनआईए ने पंजाब, हरियाणा, राजस्थान, दिल्ली-एनसीआर में 50 से ज्यादा ठिकानों पर छापेमारी की थी। 26 अगस्त को दिल्ली पुलिस ने दो मामले दर्ज किए थे। इन मामलों में एनआईए ने जांच अपने हाथ में लेने के बाद ये छापेमारी की थी।

आईआरसीटीसी घोटाला मामले में बिहार के उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव को राहत

नई दिल्ली। भारतीय रेलवे खानपान एवं पर्यटन निगम (आईआरसीटीसी) घोटाला मामले में बिहार के उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव को कोर्ट ने राहत दी है। दिल्ली की अदालत ने सीबीआई की याचिका पर तेजस्वी यादव की जमानत रद्द करने से इनकार कर दिया है। सुनवाई के लिए तेजस्वी यादव दिल्ली के राउज एवेन्यू कोर्ट पहुंचे थे। दिल्ली कोर्ट ने तेजस्वी यादव को जिम्मेदार होने और सार्वजनिक रूप से बोलते समय उचित शब्दों का चयन करने के लिए कहा है। अदालत को जमानत रद्द करने के लिए कोई विशेष आधार नहीं मिला, लेकिन तेजस्वी को अधिक सावधान रहने और उचित शब्द चुनने के लिए कहा गया है। तेजस्वी यादव के वकीलों ने कहा कि मैं विपक्ष में हूं और सरकार के गलत कामों पर सवाल उठाना मेरा कर्तव्य है। सीबीआई और ईडी का वर्तमान सरकार द्वारा दुरुपयोग किया जा रहा है। सभी विपक्षी दल के सदस्यों को ऐसा ही लगता है। सीबीआई ने हाल में लालू प्रसाद, उनकी पत्नी राबड़ी देवी, बेटी मीसा भारती, मध्य रेलवे के पूर्व महाप्रबंधक एस. राघवन, मध्य रेलवे के पूर्व मुख्य कार्मिक अधिकारी (सीपीओ) कमल दीप मैनराई और अन्य के खिलाफ यहां एक विशेष अदालत में एक आरोपपत्र दाखिल किया था।

आवारा कुत्ते ने ली सात माह के मासूम की जान

नोएडा। उत्तर प्रदेश में कुत्ते के काटने के मामले लगातार बढ़ते जा रहे हैं। ज्यादातर मामले हाई राइज सोसायटी से सामने आ रहे हैं। नोएडा सेक्टर 39 थाना क्षेत्र के सेक्टर 100 की लोटस बुलेवार्ड सोसायटी में आवारा कुत्तों ने एक बार फिर सात माह की मासूम को झपट कर मार डाला। सोसायटी के रेजिडेंट ग्रुप के प्रतिनिधि धर्मवीर यादव ने बताया कि घटना शाम करीब साढ़े चार बजे की है। यादव ने को बताया, सोमवार की शाम बच्चे को आवारा कुत्तों ने काट लिया। उसे यहां के निजी रियलिटी अस्पताल में भर्ती कराया गया था, लेकिन कल रात उसने दम तोड़ दिया।

एओए उपाध्यक्ष ने कहा, नोएडा अथॉरिटी से कई बार आवारा कुत्तों को लेकर शिकायत की जा चुकी है, लेकिन अथॉरिटी के अधिकारी कोई ठोस कार्रवाई नहीं कर रहे हैं। सेक्टर 39 के एसएचओ इंस्पेक्टर राजीव बालियान ने बताया कि सोमवार को सेक्टर-100 स्थित लोटस बुलेवार्ड सोसायटी में सड़क निर्माण का काम चल रहा था। मजदूर राजेश कुमार, उनकी पत्नी सपना अपने सात माह के बच्चे अरविंद के साथ वहां काम करने आए थे।

उन्होंने कहा, सोमवार की शाम दोनों काम करते-करते अपने बच्चे को छोड़कर चले गए। इसी दौरान समाज के तीन आवारा कुत्तों ने मासूम पर हमला कर दिया। उन्होंने उसके शरीर को पूरी तरह से खरोंच दिया। इस हमले में बच्चे के पेट की आंत निकल गई।

दूसरों के सामने शर्मिंदा कर सकती हैं सिर में खुजली की समस्या!

महिला हो या पुरूष, दोनों के सुंदर दिखने में बालों का बड़ा रोल होता है। हर कोई चाहता है कि उसके बाल साफ और स्टाइलिश दिखें, लेकिन यह तभी संभव है जब आपका स्कैल्प भी सेहतमंद हो। ऐसे में मौसम में बदलाव के साथ बालों का खास ख्याल रखने की जरूरत होती हैं। अक्सर देखने को मिलता हैं कि लोग सिर में खुजली की समस्या से परेशान रहते हैं जो कई बार आपको दूसरों के सामने शर्मिंदा भी कर सकती हैं। कई बार सिर में दाने, सिर में फंगस, पपड़ी या रूसी की वजह से सिर में खुजली होने लगती है। ऐसे में आज हम आपके लिए कुछ ऐसे उपाय लेकर आए हैं जिनकी मदद से खुजली की समस्या को आसानी से दूर किया जा सकता हैं। आइये जानते हैं इन उपायों के बारे में...

एप्पल वेनेगर

एप्पल वेनेगर मतलब सेब का सिरका। ये सिर की गंदगी को साफ करने के लिए बहुत समय से उपयोग किया जा रहा है। तीन चौथाई पानी के साथ एक चौथाई सेब का सिरका मिलाकर बालों में रोज मालिश करने से सिर में खुजली की समस्या दूर हो जाती है।

नींबू

नींबू के रस में एन्टीसेप्टिक गुण होते हैं, इसे सिर पर लगाने से रूसी एवं सिर की खुजली से राहत मिलती है। 15 ग्राम काली मिर्च का पावडर, 40 मिली नींबू का रस और 30 मिली कच्चा दूध इन सबको मिलाकर नहाने से आधा घण्टा पहले बालों में लगाने से बालों में रूसी नहीं रहती और खुजली भी मिट जाती है।

टी ट्री ऑयल

दुनियाभर में टी ट्री ऑयल का प्रयोग लोग सुंदरता बढ़ाने के लिए करते रहे हैं। इसमें टरपीन्स नाम को यौगिक मौजूद होता है जो एंटी-बैक्टीरियल, एंटीफंगल गुणों से लैस होता है। इसके उपयोग से बालों की जड़ों में नमी बनी रहती है और खुजली से निजात मिल जाती है। 2 चम्मच टी ट्री ऑयल को एक चम्मच ऑलिव ऑयल में मिलाएं। कॉटन की रुई को मिश्रण में डुबोकर बलों की जड़ों में मसाज करें। एक हफ्ते बाद से ही आपको परिणाम दिखने लगेंगे।

नारियल का तेल

नारियल का तेल बालों के लिए किसी रामबाण से कम नहीं है। क्योंकि, यह बालों को मुलायम बनाने के साथ ही सिर से जुड़ी सभी समस्याओं से भी छुटकारा दिलाने में भी कारगर है। यह सिर की खुजली से निजात दिलाने में भी मदद करता है। इसके लिए थोड़े से नारियल तेल को गुनगुना कर लें। फिर इससे अपने सिर की हल्के हाथों से मसाज करें। ऐसा करने से डैंड्रफ दूर होता है, साथ ही आपको खुजली से भी राहत मिल सकती है।

प्याज का रस

प्याज का रस स्कैल्प की खुजली मिटाने का बेहतर और कारगर उपाय है, अगर आप इसकी गंध सहन कर सकते हैं। प्याज का रस निकाल कर कॉटन की मदद से सिर की त्वचा पर लगाएं और इसे 20 मिनट के लिए छोड़ दें। इसके बाद अच्छी तरह सिर धो लें।

ऐलोवेरा

यह तो सभी जानते हैं कि ऐलोवेरा गुणों का खजाना है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि ऐलोवेरा का उपयोग आपके बालों को भी सुंदर, मजबूत और डैड्रफ फ्री कर सकता है। जी हां, अगर ऐलोवेरा जेल को बालों की जड़ों में थोड़ी देर मसाज करके 15 मिनट बाल शैम्पू से धोया जाय तो सिर में खुजली की समस्या दूर हो जाती है।

तिल का तेल

सिर की मालिश के लिए तिल के तेल का इस्तेमाल करें यह खुजली और रूखेपन से छुटकारा दिलाने में मदद करता है। तिल के तेल को गर्म करके रात में सोने से पहले दस मिनट तक सिर की मालिश करें और सुबह उठकर शैम्पू से सिर धोएँ।

पका केला

एक पका केला लेकर शहद मिलाकर अच्छी प्रकार मिला लें और इसमें प्याज का रस मिक्स करें फिर इसे बालों की जड़ों में लगा कर 20 मिनट तक छोड़ दें और शैम्पू कर लें।

माधुरी दीक्षित की मजा मा में मजा नहीं आया!

अभिनेत्री माधुरी दीक्षित की फिल्म मजा मा आज स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म अमेजन प्राइम वीडियो पर रिलीज हुई है। फिल्म से उनके लुक को बेहद पसंद किया गया था। इस फिल्म में गजराव राव, ऋत्विक भौमिक, बरखा सिंह, रजित कपूर, शीबा चड्ढा और सिमोन सिंह जैसे कलाकार नजर आए। इसका निर्देशन आनंद तिवारी ने किया है। अमृतपाल सिंह बिंद्रा ने फिल्म के निर्माण की जिम्मेदारी संभाली है। आइए जानते हैं दो घंटे 14 मिनट की यह फिल्म कैसी है।

गुजराती पृष्ठभूमि पर आधारित फिल्म में माधुरी ने एक समलैंगिक मां (पल्लवी) का किरदार निभाया है। इसमें अभिनेता गजराव (मनोहर) उनके पति की भूमिका में दिखे हैं। ऋत्विक माधुरी के बेटे तेजस बने हैं, जिनका बरखा सिंह (ईशा) के साथ रिश्ता तब खतरे में पड़ जाता है, जब लोगों को माधुरी के समलैंगिक होने के बारे पता चलता है। इसमें समलैंगिकता के मुद्दे से उपजे कई सवालों को टटोलने की कोशिश की गई है।

भारत में समलैंगिक संबंधों को कानूनी मान्यता मिली है, लेकिन समलैंगिक शादी अभी भी गैरकानूनी है। सुप्रीम कोर्ट ने 2018 में ऐतिहासिक फैसले में समलैंगिकता को अपराध मानने वाली धारा 377 को रद्द करते हुए समलैंगिकता को अपराध की श्रेणी से बाहर कर दिया था।

माधुरी ने अपने किरदार के साथ न्याय करने की कोशिश की, लेकिन कहानी ने उनका साथ नहीं दिया। वह अभिनय के मोर्चे पर औसत लगीं। माधुरी के साथ गजराव की जोड़ी अटपटी और पूरी तरह से बेमेल लगी। ऋत्विक अपने किरदार में इमोशन नहीं ला पाए। पूरी फिल्म में ऋत्विक और सृष्टि का रोमांस बनावटी-सा लगता है। नकली से लगते अमेरिकी उच्चारण की अंग्रेजी बोलते हुए रजित, शीबा और बरखा अपनी कमजोरी को दर्शाते हैं।

फिल्म की कहानी में ना कोई ट्विस्ट और ना ही रोमांच है। पहले से यह संकेत मिलने लगता है कि कहानी का अंत क्या होगा। स्क्रिप्ट की यही कमजोरी दर्शकों को बांधने में विफल साबित हुई। मेकर्स को समलैंगिकता की कहानी कहने का सलीका नहीं आया। एक गंभीर विषय पर बनी यह फिल्म कभी भी गंभीरता का एहसास नहीं दिलाती। समलैंगिकता की तह में जाकर किरदारों को मजूबत होने नहीं दिया गया।

निर्देशन की पिच पर आनंद कच्चे खिलाड़ी साबित हुए। माधुरी जैसी दिग्गज अभिनेत्री की मौजूदगी को वह नहीं भुना पाए। फिल्म में बेबाकी से समलैंगिकता के मुद्दे को भी नहीं उकेरा गया। माधुरी के किरदार को और खुलकर सामने लाया जा सकता था। लव पर स्क्वायर फिट और बंदिश बैंडिट्स जैसी फिल्मों का निर्देशन कर चुके आनंद की यह फिल्म देखकर लगता ही नहीं कि यह उनकी फिल्म है।

जो लोग अच्छी म्यूजिक की उम्मीद लगाए फिल्म देखेंगे, उन्हें निराशा हाथ लगेगी। फिल्म के गाने कोई खास नहीं हैं, जो दर्शकों की जुबां पर चढ़ जाएंगे। फिल्म के डायलॉग भी साधारण ही हैं।

मेकर्स इस कोशिश के लिए बधाई के पात्र हैं कि उन्होंने उस मुद्दे पर फिल्म बनाई, जिस पर बात करने से लोग कतराते हैं। फिल्म में होमोसेक्सुअल और गे जैसे शब्द खूब इस्तेमाल किए गए हैं। आधुनिक पीढ़ी की फिल्मों में ऐसी बाते की जा रही हैं, यह अच्छी बात हो सकती है। फिल्म में हल्की-फुल्की कॉमेडी अच्छी लग सकती है। इसके अलावा फिल्म रिश्तों के ताने-बाने को भी दर्शाती है। हमेशा की तरह माधुरी का डांस देखने लायक है।

माधुरी के प्रशंसक यह फिल्म देख सकते हैं। अभिनेत्री ने फिल्म में पहली बार इस प्रकार का किरदार निभाया है। यह एक ओटीटी प्लेटफॉर्म के मिजाज की हल्की-फुल्की और सपाट फिल्म है।(आरएनएस)

चुनाव बाद का भाजपा का रोडमैप ?

हरिशंकर व्यास

भाजपा चुनाव के बाद के एलायंस का भी खांका सोचे हुए है। इसलिए क्योंकि मोदी-शाह जानते है कि 2024 का चुनाव 2019 की तरह नहीं होगा। पिछले दो चुनावों में विपक्ष बिखरा हुआ था, जिसका बड़ा फायदा भाजपा को मिला। इस बार विपक्ष चुपचाप एकजुट होकर लड़ेगा। जनता में भाजपा को 10 साल के केंद्र सरकार के कामकाज का हिसाब भी देना होगा। भाजपा की तैयारियों से यह भी अंदाजा हो रहा है कि वह कम अंतर से जीती हुई अपनी 77 सीटों पर विपक्ष की तैयारियों को लेकर चिंता में है। अगर इन सीटों पर कांग्रेस और अन्य प्रादेशिक पार्टियों के बीच तालमेल बनता है तो भाजपा को नुकसान होगा। पिछले चुनाव के आंकड़ों के मुताबिक इनमें से 40 के करीब सीटें ऐसी हैं, जहां विपक्षी पार्टियों का वोट जोड़ दिया जाए तो भाजपा हार जाएगी। अगर सिर्फ ये 40 सीटें कम हो गईं तो भाजपा बहुमत से नीचे आ जाएगी।

यहीं बात बिहार में अलग होने के बाद से जदयू के नेता कह रहे हैं। उनका कहना है कि 40 से 50 सीटें कम कर देनी हैं। बिहार में जदयू के साथ मिल कर लड़ने पर भाजपा को 17 सीटें मिली थीं। अगले चुनाव में उसे कुछ सीटों का नुकसान हो सकता है। इस तरह का नुकसान कर्नाटक में भी संभव है, जहां पिछली बार भाजपा को छप्पर फाड़ सीटें मिली थीं। वह 28 में से 25 सीटों पर जीती थी। इस बार वहां शायद ऐसा नहीं हो सकेगा। इसी तरह पिछले चुनाव में भाजपा को पश्चिम बंगाल में 18 और ओडिसा में आठ सीटें मिली थीं। इन दोनों राज्यों में भी तस्वीर बदल सकती है।

इसलिए मोदी-शाह यह सिनेरियो सोचे हुए होंगे कि यदि सीटों में बहुत ज्यादा कमी नहीं आए तब भी वह बहुमत से नीचे जा सकती है। तभी भाजपा ने चुनाव बाद की तैयारियां भी शुरू कर दी हैं। सवाल है कि चुनाव के बाद जरूरत पड़ने पर भाजपा को सरकार बनाने के लिए कौन मदद कर सकता है? देश की ज्यादातर प्रादेशिक पार्टियां कभी न कभी भाजपा के साथ रही हैं। जेडीएस, डीएमके, जेएमएम, जेडीयू, शिव सेना जैसी पार्टियों को लेकर भाजपा नेता भरोसे में हैं कि चुनाव बाद जरूरत पड़ने पर इनका साथ मिलेगा। हालांकि तमाम क्षेत्रीय पार्टियां केंद्र सरकार और उसकी एजेंसियों की अब ऐसी मारी हैं कि वे बदला ले कर रहेगी। सभी वक्त और मौके की इंतजार में हैं। अगर उनको मौका मिला तो भाजपा की फिर से सरकार बनवाने की बजाय वे भाजपा को सत्ता से दूर रखने का फैसला करेंगे। इसलिए भाजपा के लिए चुनाव बाद की तस्वीर अच्छी नहीं है।

फैलता जा रहा है संकट

विश्व पर मंडरा रहे आर्थिक संकट के संदर्भ में यह टिप्पणी गौरतलब है कि जब झटके लगते हैं, तो जरूरी नहीं है कि हमेशा गंभीर भूकंप आए। लेकिन बिना झटकों के कभी ऐसे भूकंप नहीं आते।

महंगाई, ऊंची ब्याज दर, और कर्ज संकट से पहले दुनिया के कमजोर देश प्रभावित हुए। फिर कहा गया कि उभरती अर्थव्यवस्था वाले देशों पर भी खतरा मंडरा रहा है। इसी बीच बात अब धनी देशों तक पहुंच गई है। उसकी पहली मिसाल ब्रिटेन में देखने को मिली है। ब्रिटेन के बॉन्ड बाजार में जैसी अफरातफरी दिखी है, उसके बाद अर्थशास्त्रियों ने उचित ही यह चेतावनी दी है कि ये झटके दूसरे विकसित देशों तक पहुंच सकते हैँ। इस बीच स्विट्जरलैंड के बैंक क्रेडिट सुइसे के दिवालिया होने की अटकलों से चिंता और बढ़ गई है। आशंका यह है कि अगर ये बैंक फेल हुआ, तो उसका लीमैन ब्रदर्स जैसा असर देखने को मिल सकता है। 2007-08 जैसी मंदी की शुरुआत अमेरिकी इन्वेस्टमेंट बैंक लीमैन ब्रदर्स के ढहने के साथ ही हुई थी। ब्रिटेन में संकट का फौरी कारण नई प्रधानमंत्री ली ट्रस की नीतियां बनी हैं। उन्होंने पिछले हफ्ते टैक्स दरों में भारी कटौती की। इसका लाभ ज्यादातर धनी तबकों को मिलेगा।

लेकिन ट्रस सरकार की दलील थी कि इससे आर्थिक विकास दर को गति मिलेगी। मगर उलटा हुआ। ब्रिटिश सरकार के बॉन्ड्स और ब्रिटिश मुद्रा पाउंड की कीमतों में तेजी से गिरावट आई। बैंक ऑफ इंग्लैंड (ब्रिटेन के सेंट्रल बैंक) ने तब सरकारी बॉन्ड्स को खरीदने का फैसला कर बॉन्ड बाजार को संभाला। लेकिन साधारण भाषा में इसका अर्थ यह है कि बैंक नोट की छपाई कर सरकार को देगा। इससे बेशक मुद्रास्फीति और बढ़ेगी। बहरहाल, बात शायद यहीं तक ना रहे। अमेरिका मोटे तौर पर अब गहरे संकट से बचा हुआ है। लेकिन महंगाई वहां भी बेकाबू है। इसलिए माना जा रहा है कि वह भी संकट के असर से बचा नहीं रह पाएगा। इसलिए उचित ही अमेरिकी अखबार वॉल स्ट्रीट जर्नल ने कहा है कि ब्रिटेन अभी आगाह करने वाली चिड़िया की भूमिका निभा रहा है। स्थिति कितनी बुरी है, इसका अनुमान लगाना अभी मुश्किल है। (आरएनएस)

वैधानिक सूचना

सुविज्ञ पाठकों से आग्रह है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन में दिए गए तथ्यों, शर्तों और दावों के प्रति वह खुद भी आश्वस्त हो लें। पाठकों से आग्रह है कि वह प्रकाशित विज्ञापन से प्रभावित होकर कोई कदम उठाने से पहले अपने स्तर पर भी स्वयं के संतुष्ट होने तक संपूर्ण व्यावहारिक जानकारी कर लें। भविष्य में किसी भी प्रकाशित विज्ञापन व लेख में निहित दावों या शर्तों को लेकर पाठकगण को कोई असुविधा या परेशानी होती है तो *सांध्य दैनिक दून वैली मेल* के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की कोई जवाबदेही नहीं होगी।

–प्रबंधक विज्ञापन

क्या आपके घर पर भी होता हैं बच्चों में झगड़ा ?

घर में दो या दो से ज्यादा बच्चे हो तो उन्हें कभी भी अकेलापन महसूस नहीं होता है क्योंकि उनके साथ खेलने और बात करने के लिए घर में कोई होता हैं। लेकिन खेल-खेल में बच्चों के बीच लड़ाई-झगड़े भी होते हैं जो कि आम बात हैं। लेकिन ये झगड़े हर बात पर होने लगे तो चिंता की बात हैं। यदि यह नोंक-झोंक रोज की बात हो जाए तो यह पूरे घर में तनाव का माहौल पैदा कर देती है। साथ ही यह उनकी दैनिक गतिवधियों पर भी बुरा असर डालती है। ऐसे में पेरेंट्स को स्थिति को संभालते हुए बच्चों की समझाइश करने की जरूरत होती हैं। हम आपको बताने जा रहे हैं कि किस तरह इस स्थिति को संभाला जाए ताकि बच्चों के बीच आपसी प्रेम बना रहे और उनकी लड़ाई गंभीर रूप न ले।

समझदारी से काम लेना सिखाएं

बच्चों को समझाएं कि उनके दोस्त या कजन्स जब उसके खिलौनों के साथ खेल रहे होते हैं तो हो सकता है उनके पास वो खास खिलौना न हो, जो उनके मन में उस खिलौने को लेकर उत्सुकता पैदा कर रहा हो। ऐसे में उनके इस व्यवहार पर चिढ़ने की जगह उनके साथ मिलकर खेलने की कोशिश करें। बच्चे को समझाएं की जब आप उनकी जगह होते हैं और ऐसा महसूस करते हैं तो उस समय उसे कैसा व्यवहार करना चाहिए।

बात रखने का तरीका सिखाएं

घर पर बच्चे अक्सर अपनी बात साबित करने के लिए एक दूसरे से लड़ते हों तो उन्हें अपनी बात रखने का सही तरीका सिखाएं। उन्हें सिखाएं कि लड़ाई करने या चिल्लाने से वह सही साबित नहीं हो जाएंगे। लड़ाई से स्थिति बिगड़ सकती है। इसलिए शालीनता के साथ अन्य बच्चों से बात करें और अपनी बात को समझाएं।

समस्या सुलझाना सिखाएं

आप बच्चे के झगड़ों को सुलझाने की जगह उसे खुद उसकी समस्या का समाधान ढूंढ़ना सिखाएं। उदाहरण के लिए उससे कहें कि वो बारी-बारी अपने दोस्त के साथ खिलौने से खेलें। हो सकता है कई बार उन्हें मामला सुलझाने में दिक्कत हो तो उन्हें विश्वास दिलाएं कि आप उन्हें बेहतर सुझाव दे सकती हैं। ऐसे में जब बच्चों के बीच झगड़ा बढ़ने लगेगा तो वो सबसे पहले आप के पास आएगा।

बच्चे के सकारात्मक व्यवहार की तारीफ करें

अगर आपका बच्चा बिना लड़ाई या बहस के अन्य बच्चे से अपनी समस्याएं सुलझाता है तो उसके इस सकारात्मकता व्यवहार की तारीफ करें। बच्चे के इस तरह के व्यवहार को प्रोत्साहन दें ताकि वह भविष्य में भी लड़ाई झगड़े की स्थिति से निपटने के लिए सकारात्मक तरीका ही अपनाएं।

बच्चों को दें समय

बच्चों को समान समय देना भी जरूरी है। अगर आप बच्चों के साथ समान समय नहीं दे पा रहे हैं या आप किसी काम में व्यस्त हैं तो आप उन्हें समझाएं। साथ ही अपनी परिस्थिति के बारे में बताएं। इससे अलग ऐसी जीवन दिनचर्या निर्धारित करें, जिससे आप थोड़ा समय अपने बच्चों को भी देता है।

शांत रहना सिखाएं

अपने बच्चे को गुस्सा आने पर खुद को शांत रखने का तरीका सिखाएं। उदाहरण के लिए, उन्हें समझाएं कि जब कभी उन्हें गुस्सा आए, वो लंबी सांसें लें या फिर वहां से हट जाएं या कहीं और अपना ध्यान लगाएं।

बच्चों को सिखाएं कैसे समझें दूसरों की बातें

अकसर बच्चों की आदत होती है कि वह दूसरों की बात ना सुनकर केवल अपनी ही बात कहे चले जाते हैं। ऐसे में माता पिता का फर्ज है की वे अपने बच्चों को सिखाएं कि दूसरों की बात को सुनना भी जरूरी है। हो सकता है कि वह गलतफहमी के कारण बेवजह किसी बात पर लड़ रहे हैं ऐसे में दूसरों की बातों को सुनना जरूरी है।

शब्द सामर्थ्य -005

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. समाप्ति, खात्मा 3. रोगी, बीमार 5. गंभीरता, गहराई 6. बलपूर्वक, जबरदस्ती, व्यर्थ 9. लानत, तिरस्कार सूचक एक शब्द 10. लक्ष्मी, कमला 11. औषधालय 13. नाव खेने का लकड़ी का यंत्र 14. सतह, 'लेवल' 15. बिजली, तड़ित 17. चौकसी, सावधानी, बचाव 19. कहने वाला, वाचनकर्ता 20. सुंदर, अच्छा, बढ़िया 21. लगातार, तड़-तड़ करते हुए।

ऊपर से नीचे

1. शरीर का कोई भाग, शरीर 2. खोज-बीन, जांच-पड़ताल 3. वोट देने का हक 4. जो अत्यधिक शक्तिशाली व कठोर प्रकृति का हो, दृढ़, मजबूत 7. बरसात, पावस, बारिश 8. भरना, अटना, अंदर करना 12. घटना, हादसा, दुर्घटना 13. लिबाज़, पहनने का ढंग 16. नीला वस्त्र पहने वाला, नीला वस्त्र 17. ऐक्य, एक होने का भाव 18. दिल्ली स्थिति प्रसिद्ध जेल।

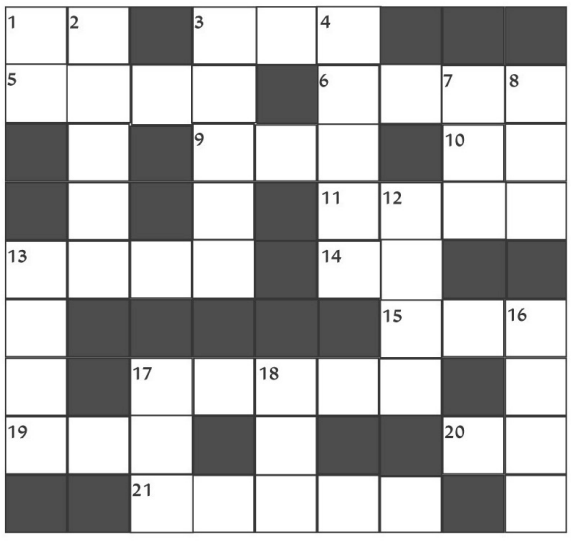

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 04 का हल

वा	स्ता			सि	स	की		
जि		ल	प	ट		मा	चि	स
ब	द	ला		क			ल	
		ट		नी	ल	क	म	ल
ता	ली		का		की			हू
क		स	रो	का	र			लु
झां		ज	बा	न		म	सी	हा
क	च	ना	र		भा	र्या		न
	र्म			ज	र	दा		

साउथ ब्यूटी एक्ट्रेस श्रीमुखी का दिलकश अंदाज बना देगा दीवाना

साउथ इंडियन एक्ट्रेस और एंकर श्रीमुखी अपनी फिल्मों से ज्यादा सोशल मीडिया पर बोल्डनेस को लेकर चर्चाओं में रहती हैं। एक्ट्रेस की सोशल मीडिया पर अच्छी खासी फैन फॉलोइंग है। वहीं, एक्ट्रेस एक बार फिर अपने अट्रैक्टिव लुक्स के कारण लाइमलाइट में बनी हुई हैं। एक्ट्रेस ने सोशल मीडिया पर अपनी खूबसूरत तस्वीरें शेयर की हैं। एक्ट्रेस श्रीमुखी ने पिंक आउटफिट में बेहद ही बोल्ड और ग्लैमरस नजर आ रही हैं। उनकी ये तस्वीरें फैंस के दिलों को धड़का रही है। अभिनेत्री की तस्वीरें देखकर फैंस उनकी खूबसूरती के कायल हो गए हैं। फैंस कमेंट्स करके उनके लुक की काफी तारीफ कर रहे हैं। श्रीमुखी अपनी सादगी से भी फैंस को इंप्रेस कर ही लेती हैं। उनकी एक झलक के लिए फैंस बेताब रहते हैं। अभिनेत्री श्रीमुखी तेलुगू बिग बॉस-2 की रनरअप रही हैं। इस रियलिटी शो के बाद उन्हें काफी लोकप्रियता मिली है। श्रीमुखी ने अपनी पहली से फिल्म से दर्शकों के बीच अलग पहचान बना ली थी और उनकी एक्टिंग को फैंस ने काफी पसंद किया था। एक्ट्रेस सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। साथ ही अपने जीवन के निजी और प्रोफेशनल पलों को फैंस के साथ साझा करती रहती हैं।

लड़की के अवतार में नजर आए एक्टर आयुष्मान खुराना

बॉलीवुड एक्टर आयुष्मान खुराना अपनी बेहतरीन फिल्मों के लिए जाने जाते हैं। उन्होंने इंडस्ट्री को कई शानदार फिल्में दी हैं। आयुष्मान खुराना ने हाल ही में अपनी फिल्म ड्रीम गर्ल 2 की घोषणा की थी। इस फिल्म का टीजर भी सामने आ चुका है। जिसको लोगों ने काफी पसंद किया था। फिल्म ड्रीम गर्ल 2 में आयुष्मान खुराना के साथ अनन्या पांडे नजर आने वाली हैं। इस बीच फिल्म से आयुष्मान खुराना का लुक लीक हो गया है। इसके बाद ये लगातार चर्चा का विषय बना हुआ है।

फिल्म ड्रीम गर्ल 2 से लीक हुआ आयुष्मान खुराना का लुक सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। इसमें आप देख सकते हैं कि आयुष्मान खुराना लड़की के गेटअप में दिखाई दे रहे हैं। उन्होंने रेड कलर की सलवार कमीज पहनी हुई है और इसके साथ ही वह बड़े बालों में नजर आ रहे हैं। इस तरह से क्लियर होने लगा है कि आयुष्मान खुराना ने फिल्म ड्रीम गर्ल 2 की शूटिंग शुरू कर दी है। बताया जा रहा है कि इस फिल्म में वह पूजा नाम की लड़की का किरदार निभा रहे हैं। गौरतलब है कि आयुष्मान खुराना फिल्म ड्रीम गर्ल में भी पूजा नाम की लड़की की आवाज निकालकर लोगों से फोन पर बात करते थे। इस फिल्म में उनके साथ नुसरत भरूचा नजर आई थीं। फिल्म ड्रीम गर्ल का डायरेक्शन राज शांडिल्य ने किया था और फिल्म ड्रीम गर्ल 2 का भी डायरेक्शन कर रहे हैं।(आरएनएस)

शाहरुख ने सोशल मीडिया पर शेयर की शर्टलेस तस्वीर

बॉलीवुड सुपरस्टार शाहरुख खान ने सोशल मीडिया पर अपनी एक शर्टलेस तस्वीर पोस्ट कर ग्लोबल वार्मिंग को और बढ़ा दिया है।

अभिनेता शाहरुख ने अपने इंस्टाग्राम पर अपनी एक तस्वीर पोस्ट की, जिसमें किंग खान अपनी फिल्म पठान के लुक में नजर आ रहे हैं। तस्वीर में देखा जा सकता है कि शाहरुख शर्टलेस हैं और सोफे पर अपने दोनों हाथ फोल्ड करके बैठे हुए हैं। इस दौरान उन्होंने अपना आधा चेहरा हाथों से छिपाया हुआ है। इस तस्वीर में शाहरुख के बाल लंबे हैं। अपने कैप्शन में उन्होंने लिखा, आज मैं अपनी शर्ट से कह रहा हूं.. तुम होती तो कैसा होता, तुम इस बात पर हैरान होती, तुम इस बात पर कितनी हंसती.. तुम होती तो ऐसा होता..मुझे भी पठान का इंतजार है। जैसे ही शाहरुख ने तस्वीर साझा की, उनके प्रशंसकों ने कमेंट की बाढ़ सी लगा दी। फैंस तस्वीर पर जमकर प्यार लुटा रहे हैं। एक फैंस ने कहा, 2023 आपका और केवल आपका है। यह मुझे हर बार इतना भावुक कर देता है कि मैं सोचता हूं कि आप हमें अगले साल तीन फिल्मों को देने के लिए कितनी मेहनत कर रहे हैं। मेरे हीरो को मेरा सारा प्यार और सम्मान।

अक्षय ओबेरॉय ने पवन कृपलानी की गैसलाइट के लिए किया डब

अभिनेता अक्षय ओबेरॉय ने हाल ही में पवन कृपलानी की आने वाली फिल्म गैसलाइट के लिए डब किया है। फिल्म में सारा अली खान और विक्रांत मैसी भी हैं। उन्हें आश्चर्य हो रहा है कि दर्शकों ने अब तक उनके द्वारा निभाए गए प्रत्येक ग्रे चरित्र को इतना पसंद किया है। अपने अनुभवों के बारे में बोलते हुए, वह दावा करते हैं, यह मुझे आश्चर्यचकित करता है कि दर्शकों ने मेरे द्वारा निभाए गए प्रत्येक ग्रे चरित्र को कितना अपनाया है।उन्होंने आगे कहा, हर भूमिका में कुछ नया होता है, इसलिए मुझे वास्तव में उनमें विविधताओं के साथ प्रयोग करना पसंद है। यह एक ऐसा चरित्र है जो मेरे लिए सबसे अलग है और जिस पर मुझे काम करने में बहुत मजा आया है। मैं वास्तव में यह देखने के लिए उत्साहित हूं कि कैसे दर्शक प्रतिक्रिया देते हैं।अक्षय अगली बार रवि किशन और त्रिधा चौधरी के साथ वर्चस्व जैसी परियोजनाओं और एक कोरी प्रेम कथा नामक एक सामाजिक व्यंग्य में दिखाई देंगे।(आरएनएस)

90 के दशक में लेखक सेट पर स्क्रिप्ट लिखते थे: माधुरी

अभिनेत्री माधुरी दीक्षित नेने, जो अपनी स्ट्रीमिंग फिल्म माजा मां की तैयारी कर रही हैं, ने हाल के वर्षों में उन बदलावों के बारे में बात की, कैसे हिंदी फिल्म उद्योग जिसे अन्यथा बॉलीवुड के रूप में जाना जाता है, समय के साथ बदल गया है।

फिल्म में एक गुजराती गृहिणी की भूमिका निभाने वाली अभिनेत्री ने कहा, पहले यशराज फिल्म्स, सुभाष घई के प्रोडक्शन या राजश्री प्रोडक्शन जैसी कुछ प्रस्तुतियों को छोड़कर हिंदी फिल्म उद्योग बहुत अव्यवस्थित और असंबद्ध था, जो उनके दृष्टिकोण में बहुत व्यवस्थित थे। लेकिन अब फिल्मों में कॉर्पोरेट संस्कृति आने के साथ, चीजें आज कहीं अधिक सुव्यवस्थित हैं।

उन्होंने तब उल्लेख किया कि कैसे उद्योग ने लेखन को लेना शुरू कर दिया है - किसी भी फिल्म का आधार, काफी गंभीरता से, अब हमारे पास अपने साथी कलाकारों के साथ टेबल रीडिंग सत्र हैं, कुछ ऐसा जो उस समय 1990 के दशक में अनसुना था। हमें संवाद मिलते थे गो, एक शॉट देने से ठीक पहले।

उन्होंने आगे कहा, हम लेखक के संवाद समाप्त करने का इंतजार करते थे, जो सेट के किसी कोने से कहेंगे, हां मैडम बस 2 मिनट में लिख के देता हूं और आपके संवाद तैयार होंगे।

कलारी शारीरिक-मानसिक रूप से भी सशक्त बनाता है : काजल अग्रवाल

दक्षिणी सिनेमा की जानी मानी अभिनेत्री काजल अग्रवाल ने कहा कि प्राचीन मार्शल आर्ट एक सुंदर अभ्यास है जो साधक को शारीरिक और मानसिक रूप से सशक्त बनाता है। काजल ने खुलासा किया है कि वह तीन साल से अधिक समय से कलारीपयट्टू सीख रही हैं।

कलारी सत्र के दौरान अपना एक वीडियो पोस्ट कर काजल ने लिखा, कलारीपयट्टू एक प्राचीन भारतीय मार्शल आर्ट है, जिसका मतलब है - युद्ध के मैदान की कला में अभ्यास।

इस कला रूप का जादू शाओलिन, कुंग फू और इसके परिणामस्वरूप कराटे और ताइचांडो के जन्म में विकसित हुआ। कलारी का इस्तेमाल आमतौर पर गुरिल्ला युद्ध के लिए किया जाता था और यह एक सुंदर अभ्यास है जो साधक को शारीरिक और मानसिक रूप से सशक्त बनाता है।

तीन वर्षों में इसे रुक-रुक कर सीखने के लिए आभारी हूं! सीवीएन कलारी (उनका कलारी स्कूल) शानदार और इतना धैर्यवान रहा है, समय के साथ अलग-अलग डिग्री पर सीखने और प्रदर्शन करने की मेरी क्षमता के अनुसार मेरा मार्गदर्शन किया। ऐसे अद्भुत टीचर होने के लिए धन्यवाद।

दिलचस्प बात यह है कि चार महीने पहले ही एक बच्चे को जन्म देने वाली अभिनेत्री काजल, कलारी का अभ्यास करने के अलावा घुड़सवारी भी सीख रही हैं।

इतना ही नहीं, वह निर्देशक शंकर की बहुप्रतीक्षित इंडियन 2 की शूटिंग के लिए वापस आ गई हैं, जिसमें कमल हासन मुख्य भूमिका में हैं।

करण जौहर मुझे फिर से पर्दे पर वापस लाया : नीलम कोठारी सोनी

अभिनेत्री नीलम कोठारी सोनी, जिन्हें ओटीटी सीरीज फैबुलस लाइव्स ऑफ बॉलीवुड वाइव्स के दूसरे सीजन में अपने काम के लिए बहुत सकारात्मक प्रतिक्रिया मिल रही है, ने हाल ही में करण जौहर के साथ संबंध को लेकर बात की है।

अभिनेत्री नीलम ने एक कुशल आभूषण डिजाइनर के रूप में अपने करियर और अपने पारिवारिक जीवन पर ध्यान केंद्रित करने के लिए पेशेवर अभिनय से विश्राम लिया था। 1998 में करण कुछ कुछ होता है के लिए नीलम को पर्दे पर वापस लाने के लिए उत्सुक थे और इस तरह उन्होंने उन्हें फिल्म में खुद के लिए राजी कर लिया।

नीलम ने कहा, करण जौहर मुझे बहुत प्रिय हैं। जब फिल्म निर्माण की बात आती है तो वह एक प्रतिभाशाली हैं। वास्तव में, कुछ कुछ होता है भी फिल्मों से मेरे विश्राम के कुछ समय बाद हुआ। करण को यकीन था कि मेरा कैमियो याद किया जाएगा, करण में निश्चित रूप से एक जादुई दूरदर्शिता है।

अगर वो नही होते तो मैं फिल्म नही कर पाती।एक बार फिर इतने सालों बाद नीलम ने फैबुलस लाइव्स ऑफ बॉलीवुड वाइव्स में अपनी वापसी की वो भी करण जौहर की वजह से ही। इसको लेकर फिर नीलम ने कहा, वास्तव में, उन्होंने ही मुझे फैबुलस लाइव्स ऑफ बॉलीवुड वाइव्स के साथ बॉलीवुड के लिए पर्दे पर वापस आने के लिए राजी किया।

यह उनके साथ कुछ ऐसा है, जैसे उन्हें मुझे पर्दे पर वापस लाने की आदत है, चाहे वह कुछ कुछ होता है हो या फैबुलस लाइव्स ऑफ बॉलीवुड वाइव्सफैबुलस लाइव्स ऑफ बॉलीवुड वाइव्स की तीसरी कड़ी में नीलम ने घोषणा की कि वह जोया अख्तर की बहुप्रतीक्षित वेब सीरीज मेड इन हेवन 2 का हिस्सा बनने जा रही हैं।

चीते की तरह तेजी से दौड़ेगा भारत

पीयूष गोयल

भारत को अगले 25 साल में समृद्ध और विकसित देश बनाने के सपने को साकार करने के लिए मोदी सरकार ऐतिहासिक कदम उठा रही है। तीव्र, समान विकास के साथ देश में आमूलचूल बदलाव लाने का लक्ष्य है और इसे हासिल किया जाएगा।

वास्तव में, यह परिवर्तन आठ साल पहले शासन में मूलभूत बदलावों के साथ ही शुरू हो गया था, जिसने आम आदमी को सशक्त और विशेष होने का अहसास कराया है। इसके साथ ही भारत दुनिया में एक भरोसेमंद भागीदार के रूप में उभरा, जिसके साथ हर देश बड़ी उत्सुकता से जुड़ना चाहता है।

नई लॉजिस्टिक्स नीति भारत के गौरव को बढ़ाने की दिशा में नवीनतम पहल है। लॉजिस्टिक्स में 5 आर महत्वपूर्ण होते हैं। राइट यानी सही उत्पाद पाना, सही स्थिति में, सही जगह, सही समय पर और सही ग्राहक को मिलना।

नई नीति में यह सुनिश्चित करने का प्रयास किया गया है कि सभी 'आर' सही हों। यह छोटे किसान, एमएसएमई, बड़ी फैक्ट्रियों और आम आदमी के हित में होगा। यह अर्थव्यवस्था के इंजन को कुछ इस तरह से गति देगा कि करोड़ों नौकरियां पैदा होंगी, समृद्ध महानगरीय क्षेत्रों और ग्रामीण इलाकों के बीच असमानताओं को खत्म करने में मदद मिलेगी, माल और लोगों की आवाजाही में तेजी आएगी और दक्षता बढ़ने से भारी बचत होगी।

यह नीति लॉजिस्टिक्स खर्च को अनुमानित रूप से जीडीपी के 13-14 प्रतिशत से घटाकर इकाई अंक के स्तर पर ले आएगी। यह बचत बहुत बड़ी है। 3 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था में पांच प्रतिशत-प्वाइंट की बचत 150 अरब डॉलर के लाभ के बराबर है, जो भारत के संपूर्ण आउटसोर्सिंग उद्योग के अनुमानित मूल्य के बराबर है।

इस उपहार से सबसे बड़ा लाभ छोटे किसानों और बड़ी संख्या में एमएसएमई को होगा क्योंकि कम मूल्य के सामानों का परिवहन खर्च अपेक्षाकृत बहुत अधिक होता है जबकि रत्नों और गहनों जैसे कीमती सामानों की खेप तो हवाई मार्ग से ले जाने पर भी लाभदायक हो सकती है।

परंपरागत रूप से, छोटे किसान अक्सर फलों और सब्जियों को औने-पौने भाव पर बेच देते हैं क्योंकि खराब होने वाली वस्तुओं में सड़न शुरू होने से पहले इसे खरीदार तक पहुंचना जरूरी होता है। बेहतर लॉजिस्टिक्स के साथ, ऐसी चीजों को शीघ्र ही लंबी दूरी तक भेजा जा सकता है जिससे इसे नए बाजार मिलेंगे।

बेहतर लॉजिस्टिक्स से आपूर्ति में काफी सुधार होगा और लागत में कमी आएगी। इसका मतलब यह हुआ कि कृषि उपज के खेत से थाली तक के सफर में, पूरा अर्थशास्त्र सुखद रूप से बदल सकता है। इससे किसानों को ज्यादा पैसा मिलेगा और खरीदार को सस्ता खाना मिल सकेगा।

प्रत्येक उपभोक्ता की संपूर्ण खरीदारी के संबंध में अलग-अलग स्तर पर भी ऐसा ही होगा क्योंकि जिस चीज का भी उत्पादन होता है, विनिर्माण या निर्माण होता है उसके मूल्य के कम या ज्यादा होने में लॉजिस्टिक्स खर्च एक महत्वपूर्ण घटक होता है।

नई लॉजिस्टिक्स नीति मोदी सरकार की दूसरी प्रमुख पहलों, विशेष रूप से पीएम गतिशक्ति के साथ सामंजस्य स्थापित करती है, यह परिवर्तनकारी पहल डिजिटल रूप से सक्षम प्रणालियों के साथ बुनियादी ढांचा निर्माण की योजना से लेकर कार्यान्वयन को बढ़ावा देती है। डिजिटल सिस्टम से साइलो खत्म होते हैं और डेटा

का खजाना एवं कई परतों में जानकारी उपलब्ध हो पाती है। इससे बुनियादी ढांचा परियोजनाओं की योजना बनाने वालों और कार्यान्वयन के लिए जिम्मेदार लोगों को वन भूमि, रक्षा भूमि, बिजली लाइनों के साथ ही कई अन्य मसलों के बारे में पहले से ही डेटा उपलब्ध हो जाता है जिससे अचानक कुछ ऐसा सामने न आए कि परियोजनाओं में देरी हो।

पीएम गतिशक्ति और नई लॉजिस्टिक्स नीति भी प्रधानमंत्री मोदी के संपूर्ण सरकार के दृष्टिकोण का उदाहरण है, जो शासन में साइलो (विभागों के बीच समन्वय का अभाव) से छुटकारा दिलाता है।

उच्च गुणवत्ता वाली ग्रामीण सड़कों और एक्सप्रेसवे के निर्माण, कंटेनर के वापस आने के समय में सुधार, तेज एवं सुरक्षित रेलवे और समर्पित माल ढुलाई गलियारे जैसी पहलों के साथ ये नीतियां विश्वस्तरीय डिजिटल तकनीक के साथ विश्वस्तरीय बुनियादी ढांचा सुनिश्चित करेंगी, जिससे विकसित देशों की तरह उत्पादकों, वितरकों और खुदरा ग्राहकों को उच्च गुणवत्ता वाली सेवा मिले।

ये नीतियां उच्च गुणवत्ता वाले उत्पादों के उत्पादन, निर्यात में वृद्धि, दुनिया के साथ व्यापारिक जुड़ाव बढ़ाने, वैश्विक विनिर्माण केंद्र बनने और वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं में एक बड़ी भूमिका निभाने के लिए प्रमुख पहलों में योगदान करती हैं। इन सभी पहलों के लिए बेहतर लॉजिस्टिक्स की जरूरत होती है।

यह ध्यान में रखना महत्वपूर्ण है कि जो भी देश समृद्ध हुए हैं वहां तेज आर्थिक विकास और रोजगार सृजन के लिए वैश्विक व्यापार और निर्यात प्रमुख साधन रहे हैं। भारत ने रत्न और आभूषण, चमड़ा और हस्तशिल्प जैसे श्रम प्रधान क्षेत्रों के लिए विकसित बाजारों के दरवाजे खोलने के लिए व्यापार समझौतों का उपयोग करने की रणनीति अपनाई है।

बेहतर लॉजिस्टिक्स से निर्यातकों को बहुत अधिक लाभ होता है क्योंकि उनका सामान ज्यादा प्रतिस्पर्धी हो जाएगा और खरीदारों को तेजी से एवं निश्चित समय में पहुंचाया जा सकता है।

जैसा, प्रधानमंत्री मोदी ने समीक्षा में पाया कि निर्यातकों को माल ट्रैक और ट्रेस करने के लिए शिपिंग बिल नंबर, रेलवे कंसाइनमेंट नंबर, ई-वे बिल नंबर आदि रखने होते हैं। उन्हें कई अधिकारियों के पास भी जाना पड़ता है। उनकी मदद के लिए एकीकृत लॉजिस्टिक्स इंटरफेस प्लेटफॉर्म शुरू किया गया है। इसके अलावा, लॉजिस्टिक्स नीति के तहत ईज ऑफ लॉजिस्टिक्स सर्विसेज या ईलॉग्स नाम से एक डिजिटल प्लेटफॉर्म भी सामने आने वाली किसी भी समस्या को हल करने में मदद करेगा।

मोदी सरकार के आठ शानदार वर्षों में भारत में लॉजिस्टिक्स में पहले से काफी सुधार हुआ है। कोविड महामारी के चरम पर होने के दौरान देश ने दवाएं, ऑक्सीजन और खाद्यान्न पहुंचाया। डिजिटल इंडिया जैसी दूरदर्शी पहलों ने भारत को महामारी के चरम पर होने के दौरान घर से काम करने की आवश्यकता के अनुकूल बनाने में मदद की।

बुनियादी ढांचे और लॉजिस्टिक्स अब भारत को एक विकसित देश बनाने के लिए जरूरी लंबी छलांग लगाने के लिए तैयार हैं। निश्चित ही, नीति बनाने मात्र से यह काम नहीं हो सकता है लेकिन जैसा प्रधानमंत्री मोदी ने कहा है कि नीति+प्रदर्शन = प्रगति हासिल होगी।

नई नीति की घोषणा उस दिन की गई जिस दिन चीते भारत की धरती पर लौट आए। पृथ्वी पर सबसे तेज चलने वाले जानवर के आगमन ने परिवहन के लिए एक बड़ा संदेश दिया। लॉजिस्टिक्स के लिए अपने संदेश में प्रधानमंत्री ने जोर देकर कहा, मुझे उम्मीद है कि आप चीते की रफ्तार से माल पहुंचाएंगे। शानदार ट्रैक रिकॉर्ड और प्रदर्शन के आधार पर भारत निश्चित रूप से एक विकसित देश बनने के लिए चीते की तरह आगे बढ़ेगा।

(लेखक, भारत सरकार के वाणिज्य और उद्योग, उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण और वस्त्र मंत्री तथा राज्यसभा में सदन के नेता हैं।)

सू- दोकू क्र.005

	7				1		3	
1		9				5		
			3				1	
		5						3
3					2		5	
				3				2
	4						7	
7		8		1		6		
	6		7		9			1

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक र सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.04का हल

5	2	4	9	6	7	8	1	3
3	6	7	4	1	8	2	9	5
8	1	9	3	2	5	4	6	7
6	3	5	1	9	4	7	2	8
7	9	8	5	3	2	6	4	1
2	4	1	7	8	6	5	3	9
4	5	3	6	7	9	1	8	2
9	8	6	2	5	1	3	7	4
1	7	2	8	4	3	9	5	6

आखिर तोड़फोड़ की किसने ?

चूंकि पाइपलाइन में लीक से यूरोप में गैस संकट और गहरा गया है, इसलिए ये मुद्दा दुनिया भर गरम है। विश्व सोशल मीडिया पर इसको लेकर दो अलग नैरेटिव प्रचलित हुए हैं।

सोशल मीडिया के इस युद्ध में गंभीर से गंभीर किसी समस्या के बारे में सच जानना कितना कठिन हो गया है, उसकी ताजा मिसाल प्राकृतिक गैस की सप्लाई की रूसी पाइपलाइन नॉर्ड स्ट्रीम 1 और नॉर्ड स्ट्रीम 2 में हुई कथित तोड़फोड़ है। चूंकि पाइपलाइन में लीक से यूरोप में गैस संकट और गहरा गया है, इसलिए ये मुद्दा दुनिया भर गरम है। विश्व सोशल मीडिया पर इसको लेकर दो अलग नैरेटिव प्रचलित हुए हैं। एक में शक जताया गया है कि ये काम रूस का है, जो गैस संकट को बढ़ा कर यूरोप को झुकाना चाहता है। लेकिन इसके विरोध में तर्क यह दिया गया है कि आखिर रूस अपनी ही पाइपलाइन को क्षतिग्रस्त क्यों करेगा। अगर यूरोप को परेशान करने के लिए यह तरीका उसे समझ में आया, तो वह नॉर्वे से आने वाली पाइपलाइन को क्षतिग्रस्त कर सकता था।

दूसरे नैरेटिव में अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन के एक भाषण का हिस्सा वायरल किया गया है। इसमें उन्होंने कहा था कि अगर युद्ध हुआ, तो अमेरिका नॉर्ड स्ट्रीम-2 से गैस का प्रवाह रोक देगा। यह पूछने पर कि वह ऐसा कैसे करेगा, बाइडेन ने कहा था कि अमेरिका के पास इसका तरीका है। अमेरिकी एजेंसी सीआईए ने पिछले हफ्ते ही जर्मनी को पाइपलाइन में तोड़फोड़ की चेतावनी दी थी। इसका क्या मतलब है कि इसको लेकर भी सोशल मीडिया पर बहस छिड़ी हुई है। गौरतलब है कि कथित तोड़फोड़ के कारण बाल्टिक सागर में स्वीडन और डेनमार्क के पास रिसाव की खबरें आई हैं। ये दोनों पाइपलाइनें रूस ने यूरोप को गैस की सप्लाई के लिये बनाई थी। नॉर्ड स्ट्रीम 1 यूरोप को बड़ी मात्रा में गैस की सप्लाई कर रहा था, लेकिन अगस्त से इसे बंद कर दिया गया। नॉर्ड स्ट्रीम 2 बन कर तैयार था, लेकिन अमेरिकी दबाव में जर्मनी ने इससे गैस प्राप्त करने का रूस से हुआ करार तोड़ दिया। ये दोनों पाइपलाइनें रूस से यूरोप को ऊर्जा की सप्लाई के केंद्र में हैं और यूक्रेन पर हमला होने के बाद से ही सबका ध्यान इनकी तरफ है। यूरोपीय सुरक्षा से जुड़े सूत्रों का कहना है कि जान बूझ कर तोड़फोड़ के कुछ संकेत मिले हैं। इसीलिए तोड़फोड़ की चर्चा तेज हुई है।(आरएनएस)

भरत ने तेलुगु एक्शन थ्रिलर हंट में देव की भूमिका निभाई

प्रसिद्ध तमिल अभिनेता भरत, जो निर्देशक वसंतबालन की वेयिल और जाने-माने निर्देशक शंकर की बॉयज सहित कई समीक्षकों द्वारा प्रशंसित सुपरहिट का हिस्सा रहे हैं, अब लगभग एक दशक के बाद हंट नाम की तेलुगू फिल्म में नजर आएंगे।

हाई-वोल्टेज एक्शन एंटरटेनर में अपने चरित्र के विवरण का खुलासा करने के लिए, भरत ने कहा, हंट की दुनिया बंदूक, गोलियों, आतंक, छल के बारे में है। तो इस दुनिया को क्या फर्क पड़ता है? यह स्वैगर है और तेजतर्रार देव।

हैशटैग-हंट की दुनिया से खुद को देव के रूप में पेश कर रहा हूं। लगभग एक दशक के बाद एक टॉलीवुड उद्यम !! इसके लिए सुपर तैयार! मेरी टीम महेश सुरपनेनी, सुधीर बाबू, भव्य क्रिएशन्स, अभिनेता श्रीकांत मेका, घिबरन और आनंद प्रसाद को धन्यवाद।

भरत के अलावा, फिल्म में दो अन्य तेलुगु सितारे भी मुख्य भूमिका में होंगे।

जहां अभिनेता श्रीकांत फिल्म में मोहन भार्गव नामक एक किरदार निभाते हैं, वहीं अभिनेता सुधीर बाबू फिल्म में अर्जुन प्रसाद नामक एक कठिन और गतिशील चरित्र निभाते हैं। महेश द्वारा निर्देशित तीव्र एक्शन थ्रिलर में अरुल विंसेंट द्वारा छायांकन और घिबरन द्वारा संगीत है।

दुष्यंत गौतम के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराने को कांग्रेस ने दिया ज्ञापन

संवाददाता

देहरादून। भाजपा उत्तराखण्ड प्रभारी दुष्यंत गौतम पर मुकदमा दर्ज कराने के लिए महानगर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने एसएसपी को ज्ञापन सौंपा।

आज यहां कांग्रेस कार्यकर्ता महानगर कार्यकारी अध्यक्ष डा. जसविन्दर सिंह गोगी के नेतृत्व में एसएसपी कार्यालय पहुंचे। जहां पर उन्होंने एसएसपी को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी के उत्तराखण्ड प्रभारी दुष्यंत गौतम ने अपने बयानों में कहा कि कांग्रेसी मन्दिरों में महिलाओं के साथ छेडछाड करने के लिए जाते हैं। महानगर कांग्रेस कमेटी गौतम के इस बयान का विरोध करती है। उनका यह बयान धार्मिक आस्था को ठेस पहुंचाने वाला होने के साथ ही समाज को दूषित करने वाला भी है। उन्होंने एसएसपी से मांग की है कि भाजपा राष्ट्रीय महामंत्री व उत्तराखण्ड प्रभारी दुष्यंत गौतम के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर उचित कार्यवाही की जाये।

मकान से नगदी व जेवरात चोरी

देहरादून (संवाददाता)। चोरों ने बन्द मकान का ताला तोडकर वहां से नगदी व जेवरात चोरी कर लिये। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम तेलपुरा भोगपुर रोड निवासी नेहा पुण्डीर ने रानीपोखरी थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि वह परिवार के साथ बाहर गये थे। आज जब वह घर आये तो उन्होंने देखा कि उनके मकान का ताला टूटा हुआ था तथा अन्दर सारा सामान बिखरा हुआ था। चोर उसके घर से दस हजार रूपये नगद व सोने चांदी के जेवरात चोरी करके ले गये हैं। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

बाल श्रम कराने पर दो के खिलाफ मुकदमा दर्ज

देहरादून (संवाददाता)। पुलिस ने बाल श्रम कराने पर दो दुकान स्वामियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार प्रवर्तन अधिकारी बृजमोहन ने सेलाकुई थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसने जमनपुर में एक हलवाई की दुकान पर दस साल के बच्चे को काम करते हुए देखा तथा एक रेस्टोरेंट में 13 साल के बच्चे को बर्तन आदि धोते हुए देखा। जिसके बाद पुलिस ने बाल श्रम एवं किशोर श्रम प्रतिबंध व विनियमन अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

एसबीआई क्रेडिट कार्ड कर्मचारी बन ठगे 99 हजार रुपये

संवाददाता

देहरादून। एसबीआई का क्रेडिट कार्ड कर्मचारी बनकर 99 हजार रूपये ठगने के मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार चाणक्य पुरी अजबपुर निवासी रामकिशोर सुयाल ने नेहरू कालोनी थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसके फोन पर एक कॉल आयी तथा कॉल करने वाले ने स्वंय को एसबीआई का क्रेडिट कार्ड का कर्मचारी बनकर उसके क्रेडिट कार्ड का वेरिफिकेशन करने के नाम पर उसके खाते के यूनो एप की यूजर आईडी व पासवर्ड प्राप्त कर उसके खाते से 99 हजार 750 रूपये निकाल लिये। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

खड़गे बने कांग्रेस के खेवनहार..

▶▶ पृष्ठ 1 का शेष

नेता जश्न मनाते नजर आए। हालांकि आज मतगणना के समय भी थरूर गुट द्वारा यूपी चुनाव के दौरान अनियमितताओं का आरोप लगाया गया था लेकिन मतगणना जारी रही और खड़गे भारी मतों से विजयी रहे।

मंत्री के चचेरे भाई के घर पडी डकैती का खुलासा, चार गिरफ्तार

संवाददाता

देहरादून। पुलिस ने डोईवाला में मंत्री के चचेरे भाई के घर पडी डकैती की घटना का खुलासा करते हुए चार लोगों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से लूटी गये पांच लाख रूपये नगद एक तमंचा व दो कारें बरामद कर ली। उनके अन्य साथियों की तलाश जारी है।

आज यहां इसकी जानकारी देते हुए एसएसपी दलीप सिंह कुवंर ने बताया कि डोईवाला में शीशपाल अग्रवाल के घर पर दिन दहाडे 15 अक्टूबर को हथियार बंद बदमाशों ने धावा बोलकर तीन महिलाओं को बंधक बनाकर करोडों रूपये के जेवरात व नगदी लूट ली थी। पुलिस ने घटना का मुकदमा दर्ज कर बदमाशों की तलाश शुरू कर दी। वहीं इस घटना को गम्भीरता से लेते हुए मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने भी पुलिस विभाग को तीन दिन का समय दिया था। पुलिस ने बदमाशों की धरपकड के लिए

❑लाखों की नगदी व दो कारें बरामद

12 टीमों का गठन किया। जांच के दौरान पुलिस को पता चला कि महबूब ठेकेदार निवासी कुडकावाला डोईवाला, जिसने 02 वर्ष पूर्व शीशपाल के घर पर कारपेंटर का कार्य किया गया है, वह घटना के बाद से लापता है और उसका फोन भी लगातार बंद चला आ रहा है। सरवट मुजफ्फरनगर में अपनी कार स्विफ्ट डिजायर कार से अपने वकील से मिलने जा रहे महबूब को उसके 02 अन्य साथियों मनव्वर व शमीम के साथ गिरफ्तार किया गया। उनके चौथे साथी तहसीम को दिल्ली- बागपत हाईवे पर स्वरूपनगर चौकी के पास से गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने इनके कब्जे से पांच लाख रूपये नगद, एक तमंचा व दो कारें बरामद कर ली। इन्होंने अपने फरार साथियों के नाम रियाज मुल्ला, नावेद इकबाल, मेहरबान बावला,वसीम व तौकीर बताये हैं। पुलिस ने सभी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उनको न्यायालय में पेश किया जहां से उनको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

छात्र को डांटने पर परिजनों ने शिक्षिका को मारा थप्पड़, दो गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

नैनीताल। छात्र को अनुशासन का पाठ पढ़ाना एक शिक्षिका को भारी पड़ गया। छात्र के परिजनों ने स्कूल पहुंच कर न सिर्फ शिक्षिका से हाथापाई की बल्कि बीच बचाव करने आये अन्य शिक्षक व कुछ छात्र-छात्राओं को घायल कर दिया। स्कूल प्रशासन की तहरीर पर पुलिस ने मामला दर्ज कर दो लोगों को गिरफ्तार कर लिया है।

जानकारी के अनुसार रामनगर के पीरूमदारा में किसान इंटर कॉलेज में शिक्षिका सीता रावत कार्यरत है। विगत शनिवार को उदयपुरी चोपड़ा निवासी कक्षा सात के एक छात्र को उन्होने अनुशासनहीनता करने से रोका था और उसे कक्षा से बाहर निकाल दिया था। इस बात से नाराज छात्र के परिजन बीते रोज छात्र के साथ स्कूल पहुंचे।

आरोप है कि, उन्होंने आते ही शिक्षिका को थप्पड़ जड़ दिया। इस बीच क्लास में हंगामा होने पर बगल की क्लास में पढ़ा रहे शिक्षक गौरव कुमार शाह द्वारा बीच-बचाव किया गया तो उन्होने शिक्षक गौरव कुमार सिर पर लोहे की रॉड से वार कर लहूलुहान कर दिया। बताया जा रहा है कि इस दौरान कॉलेज के दो छात्र व एक छात्रा भी मारपीट में घायल हो गई उसके बाद हमलावर भाग निकले। मामला मारपीट तक पहुंचने पर स्कूल के प्रधानाचार्य हरेंद्र चौधरी ने कोतवाली में आरोपी छात्र, उसके चचेरे भाई तनवीर व शाहरुख सैफी के खिलाफ तहरीर दी। जिस पर पुलिस ने तनवीर और शाहरूख को गिरफ्तार कर लिया है।

विधानसभा अध्यक्ष ने किया सुखरौ पुल का निरीक्षण

संवाददाता

कोटद्वार। विधानसभा अध्यक्ष ऋतु खंडूडी भूषण ने कोटद्वार के अंतर्गत सितंबर माह में भारी बारिश के चलते क्षतिग्रस्त हुए सुखरौ पुल के मरमत्तीकरण कार्य का विभागीय अधिकारियों के संग मौके पर स्थलीय निरीक्षण किया।

उत्तराखंड विधानसभा अध्यक्ष ऋतु खंडूडी भूषण ने कोटद्वार के अंतर्गत सितंबर माह में भारी बारिश के चलते क्षतिग्रस्त हुए सुखरौ पुल के मरमत्तीकरण कार्य का विभागीय अधिकारियों के संग मौके पर स्थलीय निरीक्षण किया। अधिकारियों के साथ बातचीत के बाद विधानसभा अध्यक्ष ने बताया कि 22 अक्टूबर से सुखरौ पुल पर हल्के वाहनों की आवाजाही शुरू कर दी जाएगी। भारी बारिश के चलते बीते एक सितंबर को कोटद्वार-भाबर को जोड़ने वाले सुखरौ पुल का पांच नंबर पिलर क्षतिग्रस्त हो गया था। जिसके बाद विधानसभा अध्यक्ष ने लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों को उन को दुरुस्त करने के निर्देश दिए गए थेद्य अधिकारियों के जवाब के मुताबिक सितंबर से लेकर अभी तक लगातर बारिश के कारण पुल की मरम्मत में दिक्कत आ रही थी लेकिन अब पुल की मरम्मत के लिए लगातार कार्य चल रहा है, ऐसे में जल्द ही पुल की मरम्मत कर 22 अक्टूबर तक पुल को हल्के वाहनों की आवाजाही के लिए खोल दिया जाएगा। इस मौके पर विधानसभा अध्यक्ष ने उप जिलाधकारी, लोक निर्माण विभाग एवं वन विभाग के अधिकारियों के संग पुल के मरमत्तीकरण कार्य का जायजा लियाद्य इंजीनियरों के द्वारा पुल को लिफ्टिंग करने का कार्य गतिमान है। इस अवसर पर विधानसभा अध्यक्ष ने अधिकारियों को गुणवत्ता पूर्वक कार्य करने के निर्देश दिए जिससे भविष्य में किसी भी प्रकार समस्या उत्पन्न ना हो। इस दौरान विधानसभा अध्यक्ष ने वन विभाग के अधिकारियों को पुल के नजदीक किसी भी प्रकार के खनन पर पूर्ण रूप से रोक लगाने के लिए कहा। इस अवसर पर उप जिला अधिकारी प्रमोद कुमार, लोक निर्माण विभाग के अधिशासी अभियंता डीपी सिंह सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

कोरोना से डरे नहीं
सतर्क रहें, सुरक्षित रहें

एक नजर

विधानसभा के बर्खास्त कर्मचारियों को हाईकोर्ट से मिली राहत

विशेष संवाददाता

देहरादून/नैनीताल। विधानसभा से बर्खास्त कर्मचारियों को आज नैनीताल हाईकोर्ट से एक बड़ी राहत मिली है। अदालत द्वारा इस मामले की सुनवाई करते हुए 2021 के नियुक्ति पाये 72 कर्मचारियों के बर्खास्तगी के आदेश पर रोक लगा दी गई है। विधानसभा में हुई बैक डोर भर्तियों को लेकर विधानसभा अध्यक्ष

और सरकार द्वारा लिए गए सख्त फैसले के बाद न्यायालय के शरण में पहुंचे बर्खास्त कर्मचारियों के मामले की सुनवाई करते हुए जस्टिस मनोज तिवारी की एकल पीठ द्वारा 2021 में नियुक्त किए गए 72 कर्मचारियों की बर्खास्तगी पर फिलहाल रोक लगा दी गई है। उल्लेखनीय है कि इससे पूर्व समय में हाई कोर्ट द्वारा 102 कर्मचारियों की बर्खास्तगी पर रोक लगाते हुए सरकार से जवाब तलब किया गया था जिसमें 2021 के यह कर्मचारी शामिल नहीं थे। आज इन कर्मचारियों के बारे में की गई सुनवाई में हाईकोर्ट ने उनकी बर्खास्तगी पर रोक लगा दी गई है अदालत के फैसले से इन बर्खास्त कर्मचारियों को बड़ी राहत मिली है।

दो फक्कड़ बाबाओं में खूनी संघर्ष, एक की मौत दूसरा फरार

हमारे संवाददाता

पौड़ी। बाउंड्री वाल को लेकर हुए विवाद में एक फक्कड़ बाबा ने दूसरे फक्कड़ बाबा की फावड़े से मारकर हत्या कर दी। सूचना मिलने पर पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर आरोपी बाबा की तलाश शुरू कर दी है।

जानकारी के अनुसार लक्ष्मणझुला थाना क्षेत्र में मस्तराम घाट के पास एक छोटी सी बाउंड्री वॉल के चक्कर में हुए विवाद के चलते आज सुबह एक बाबा ने दूसरे बाबा को पहले लाठी से फिर फावड़े से मारकर मौत के घाट उतार दिया। सूचना मिलने पर पुलिस ने मौके पर पहुंच कर मृतक बाबा के शव को कब्जे में लेकर अग्रिम कार्यवाही शुरू कर दी है। मृतक बाबा का नाम रामानन्द सरस्वती बताया जा रहा है जिसकी उम्र लगभग 55 वर्ष है, वहीं फरार आरोपी बाबा का नाम रामभजन है जो अभी पकड़ से बाहर है।

फर्जी फेसबुक आईडी बनाकर की अश्लील टिप्पणी

देहरादून (संवाददाता)। महिला की फर्जी फेसबुक आईडी बनाकर उसपर अश्लील टिप्पणी करने पर पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार सहस्त्रधारा रोड निवासी महिला ने राजपुर थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि किसी अज्ञात व्यक्ति के द्वारा उसकी फर्जी फेसबुक आईडी बनाकर उसमें अश्लील टिप्पणियां फेसबुक में डालकर उसको बदनाम करने का काम किया जा रहा है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

नाबालिग पुत्रियों के साथ दुष्कर्म का प्रयास, मुकदमा दर्ज

हमारे संवाददाता

उधमसिंहनगर। बाप-बेटी के रिश्ते को शर्मशार करने वाला एक मामला रूद्रपुर में सामने आया है। पुलिस ने आरोपी पिता के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार रूद्रपर निवासी एक महिला ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि वह सिडकुल में नौकरी करती है जबकि उसका पति बेरोजगार है। उसके चार बच्चे हैं जिसमें 12 साल व 14 साल की दो बेटियां है। महिला ने आरोप लगाते हुए बताया कि, उसका पति बेटियों के साथ मारपीट करता है और उन्हें देह व्यापार करने के लिए दबाव बनाता है। बताया कि, रविवार रात को घर में सभी लोग सो रहे थे। देर रात करीब दो बजे उसका पति बेटियों के साथ छेड़छाड़ कर रहा था। जब अचानक बेटियों की नींद खुली तो उन्होंने शोर मचा दिया। शोर सुन उसकी आंख खुली तो देखा कि पति हाथ में चाकू लिए है। उसने पति का विरोध किया तो आरोपी पति ने महिला और बेटियों के साथ मारपीट शुरू कर दी और तीनों को घर से बाहर निकाल दिया। रातभर महिला बेटियों के साथ सड़क पर घूमती रही। इसके बाद अगले दिन महिला ने कोतवाली में शिकायत दी।

सीएम धामी पहुंचे धाम, तैयारियों का लिया जायजा

पीएम के स्वागत की तैयारियां पूर्ण

विशेष संवाददाता

देहरादून। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रस्तावित 21-22 अक्टूबर को उत्तराखंड दौरे की तैयारियों का जायजा लेने के लिए मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी आज सुबह बद्रीनाथ पहुंचे और अधिकारियों के साथ तैयारियों पर समीक्षा बैठक की तथा यहां चल रहे निर्माण कार्यो का स्थलीय निरीक्षण भी किया।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी दीपावली पूर्व देवभूमि दौरे पर आ रहे हैं। प्रधानमंत्री के दो दिवसीय दौरे के दौरान वह केदारनाथ और बद्रीनाथ जाएंगे उनके इस दौरे की तैयारियां लंबे समय से चल रही हैं। इन तैयारियों का जायजा लेने के लिए खुद मुख्यमंत्री बद्रीनाथ धाम पहुंचे। बद्रीनाथ धाम में चल रहे प्रधानमंत्री के ड्रीम प्रोजेक्ट के तहत निर्माण कार्यों का मुख्यमंत्री ने स्थलीय निरीक्षण किया और मौके पर मौजूद अधिकारियों को जरूरी

❑21 को केदार व बद्रीनाथ जाएंगे पीएम मोदी, करेंगें रोपवे का शिलान्यास

कामों को 21 से पहले निपटाने के निर्देश दिए।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 21 अक्टूबर सुबह नई दिल्ली से देहरादून पहुंचेंगे और यहां से वह पहले केदारधाम जाएंगे जहां पहले बाबा केदार के दर्शन करने के बाद निर्माण कार्यो का स्थलीय निरीक्षण करेंगे। केदारनाथ में 9 बजे वह रोपवे का शिलान्यास करेंगे इसके बाद शंकराचार्य समाधि के दर्शन करेंगे। प्रधानमंत्री यहां बनाए जा रहे मंदाकिनी और सरस्वती आस्था पथों के निर्माण कार्यों का निरीक्षण करेंगे। इसके बाद प्रधानमंत्री मोदी 11.30 बजे केदारनाथ से बद्रीनाथ धाम जाएंगे जहां मास्टर प्लान के तहत कराए जाने वाले निर्माण कार्यों का निरीक्षण करेंगे। प्रधानमंत्री 21 की रात बद्रीनाथ धाम में ही विश्राम करेंगे यहां उनका कार्यक्रम माणा गांव जाने और यहां एक जनसभा करने का भी है। 22 की सुबह प्रधानमंत्री यहां रोपवे का शिलान्यास भी करेंगे। 22 अक्टूबर सुबह वह बद्रीनाथ से देहरादून के लिए रवाना होंगे जहां से दिल्ली जाएंगे। प्रधानमंत्री के इस दो दिवसीय दौरे के समय मुख्यमंत्री धामी भी उनके साथ रहेंगे।

आज बद्रीनाथ दौरे के बाद धामी ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का उत्तराखंड प्रेम किसी से छुपा नहीं है उनके दौरे की सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं उन्होंने कहा कि वह जब भी आते हैं हमें कुछ न कुछ देकर जाते हैं। इस बार उनके द्वारा केदारधाम व बद्रीधाम में रोपवे का शिलान्यास किया जाएगा।

गुणवत्तायुक्त कौशल विकास रोजगार की दिशा में महत्तवपूर्ण भूमिका निभा सकता हैः संधु

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। मुख्य सचिव डॉ. एस.एस. संधु की अध्यक्षता में सचिवालय में कौशल विकास विभाग की समीक्षा बैठक सम्पन्न हुई।

बैठक के दौरान, मुख्य सचिव ने कहा कि गुणवत्तायुक्त कौशल विकास रोजगार की दिशा में महत्तवपूर्ण भूमिका निभा सकता है। इसके लिए बच्चों की रूचि के अनुरूप कौशल विकास की। उन्होंने इसके लिए कक्षा 6 से ही बच्चों के स्किल डेवेलपमेंट पर फोकस किए जाने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि आईटीआई के प्रशिक्षक शुरूआत में अपने आसपास के स्कूलों में दौरे करें, सप्ताह में एक प्रशिक्षण कक्षा का आयोजन किया जाए। बच्चों की रूचि जानने की कोशिश की जाए ताकि उसके अनुरूप बच्चों को प्रशिक्षण प्रदान किया जा सके।

मुख्य सचिव ने राजकीय प्रौद्योगिकी संस्थानों में वर्तमान एवं भविष्य की आवश्यकता के अनुसार लगातार कोर्स अपडेट किए जाने एवं मॉडर्न तकनीकों के प्रयोग किए जाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रशिक्षकों को भी नई तकनीक से लगातार अपडेट रहने की आवश्यकता है, इसके लिए प्रशिक्षकों का भी प्रशिक्षण कराया जाना चाहिए। साथ ही, नए ट्रेड्स को भी शामिल किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि बच्चे ऑनलाईन किसी भी तकनीक की जानकारी ले सकें इसके लिए एक डिजिटल लाईब्रेरी की व्यवस्था की जाए।

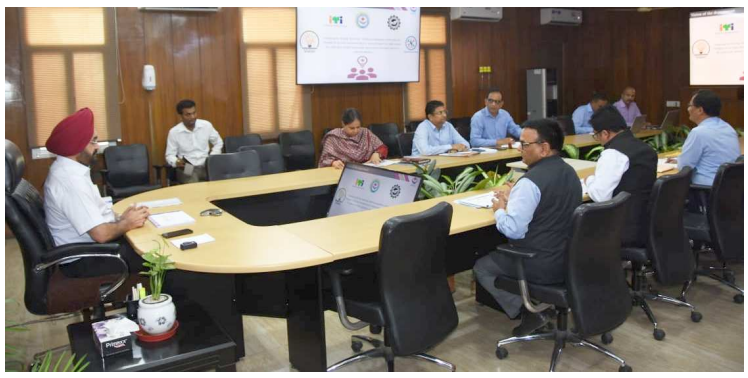

मुख्य सचिव ने कहा कि अपनी योजनाओं में इंडस्ट्रीज को शामिल करते हुए सीधे बच्चों को इंडस्ट्रीज में ही प्रशिक्षण उपलब्ध कराए जाने की व्यवस्था की जाए। इसके लिए औद्योगिक संस्थानों से एग्रीमेंट किया जा सकता है। प्रशिक्षण संस्थानों में नए एवं आधुनिक उपकरणों के माध्यम से ट्रेनिंग उपलब्ध करायी जानी चाहिए। इसके लिए आईटीआई लैब का आधुनिकीकरण किया जाए।

बैठक के दौरान सचिव कौशल विकास श्री विजय कुमार यादव ने बताया कि प्रदेश में गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षण सुनिश्चित किए जाने हेतु 24 आईटीआई का वर्ल्ड बैंक प्रोजेक्ट के माध्यम से अपग्रेडेशन कार्य चल रहा है। इसके अंतर्गत स्मार्ट क्लासरूम/वर्कशॉप, ग्रीन और स्मार्ट कैंपस सहित इंटरनेट सुविधा उपलब्ध करायी जा रही है। उन्होंने कहा कि 8 आईटीआई को STRIVE (CS) स्कीम के तहत उद्योगों के साथ पार्टनरशिप में गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षण प्रदान करने पर फोकस किया जा रहा है। 22 आईटीआई का नाबार्ड के सहयोग से अपग्रेडेशन किया जा रहा है।

इस अवसर पर कौशल विकास विभाग के अन्य उच्चाधिकारी उपस्थित थे।

आर.एन.आई.- 59626/94

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटर्स 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।

प्रधान संपादक
कांति कुमार

संपादक
पुष्पा कांति कुमार

समाचार संपादक
आनंद कांति कुमार

कानूनी सलाहकारः
वी के अरोड़ा, *एडवोकेट*
बैजनाथ, *एडवोकेट*

कार्यालयः दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।
मो. 9358134808

नोटः सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा, प्रकाशित सामग्री के लिए प्रिंटर्स की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।